आई.ए.एस.

प्रिलिम्स सॉल्व्ड पेपर्स

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website:

www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com

E-mail :

info@drishtipublications.com

द्वितीय संस्करण- नवंबर 2017

मूल्य : ₹ 330

प्रकाशक

दृष्टि पब्लिकेशन्स,
(A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.)
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- **© कॉपीराइट :** दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।
- एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

आप इस तथ्य से भलीभाँति अवगत होंगे कि किसी भी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिये उस परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति का सही विश्लेषण अत्यंत आवश्यक होता है क्योंकि प्रत्येक परीक्षा की मांग अलग होती है। कुछ परीक्षाओं में बिल्कुल सतही एवं तथ्यात्मक सवाल पूछे जाते हैं तो कुछ परीक्षाओं की कसौटी गहरी अवधारणात्मक समझ वाली होती है। यद्यपि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की प्रवृत्ति के बारे में तो निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता, परंतु इतना अवश्य है कि अगर आप इस परीक्षा के पिछले 7–8 वर्षों के प्रश्नों पर अभ्यास कर लेते हैं तो आपको इस परीक्षा की मांग का ठीक-ठाक अंदाज़ा ज़रूर हो जाएगा। मुख्य रूप से अगर हम प्रारंभिक परीक्षा की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के विश्लेषण से पता चलता है कि इस परीक्षा के सवाल कठिन नहीं होते, वरन् उनकी सही समझ एवं व्याख्या कठिन होती है। कई बार तो केवल सवाल की भाषा बदलकर उसकी पुनरावृत्ति भी कर दी जाती है। इसके अलावा, सामान्य अध्ययन के प्रत्येक खंड में कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण टॉपिक्स होते हैं जिनसे प्राय: प्रत्येक वर्ष प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसी स्थिति में यदि आप पिछले वर्षों के प्रश्नों का अभ्यास कर लेते हैं तो ऐसे प्रश्नों को सही करना बहुत आसान हो जाता है। प्रश्नों का अभ्यास करते समय यह ज़रूरी हो जाता है कि आपके पास इन प्रश्नों की सटीक व्याख्या के साथ प्रामाणिक उत्तर भी उपलब्ध हों।

प्रश्नों की व्याख्या भी कई बातों पर निर्भर करती है। व्याख्या का सबसे आसान और सतही तरीका यह होता है कि जो विकल्प सही है, सीधे उसके बारे में दो-तीन तथ्य लिखकर काम निपटा दिया जाए। परंतु व्याख्या का यह तरीका बहुत अधिक लाभकारी नहीं होता। इसका सही तरीका वह होता है जिसमें प्रश्न के प्रत्येक विकल्प पर विचार किया जाए एवं उनसे संबंधित तथ्यों के साथ-साथ अवधारणात्मक समझ भी स्पष्ट की जाए। साथ ही, प्रयुक्त अवधारणाओं एवं तथ्यों की प्रामाणिकता भी उतना ही महत्त्व रखती है।

बाज़ार में प्रारंभिक परीक्षा संबंधी कई प्रश्न-संग्रह उपलब्ध हैं, परंतु अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि उनमें से एक भी प्रश्न-संग्रह की व्याख्या का स्तर यू.पी.एस.सी. के मानकों के अनुरूप नहीं है। उनमें कई गंभीर तथ्यात्मक एवं अवधारणात्मक त्रुटियाँ मौजूद हैं। यह देखते हुए हमारी टीम ने प्रामाणिक उत्तरों एवं उनकी सटीक व्याख्या के साथ प्रश्न-संग्रह तैयार करने का प्रस्ताव रखा। यह कार्य बहुत कठिन तो नहीं था, परंतु जटिल अवश्य था। 10–12 अनुभवी लोगों की टीम ने इसमें अपनी मेहनत एवं अनुभवों को झोंका। कई-कई बार इसके स्वरूप एवं कई प्रश्नों की व्याख्या पर विवाद हुए। फिर हमने सामंजस्यपूर्ण तरीके से उन सारी समस्याओं का समाधान निकाला। उत्तरों की प्रामाणिकता के लिये इनका 'संघ लोक सेवा आयोग' द्वारा उपलब्ध करवाई गई उत्तर कुंजी से मिलान किया तथा विवाद की स्थिति में इसी को मानक उत्तर के रूप में स्वीकार किया।

इस पुस्तक को दो खंडों में प्रस्तुत किया गया है। प्रथम खंड में सामान्य अध्ययन के पिछले 8 वर्षों (2010 से 2017 तक) के प्रश्नों का वर्षानुगत एवं विषयवार वर्गीकरण किया गया है, जबकि दूसरे खंड में सीसैट पेपर के पिछले 5 वर्षों (2013 से 2017 तक) के हल प्रश्नपत्रों को शामिल किया गया है। इस खंड को फिर से शामिल करने का उद्देश्य यह है कि सीसैट क्वालिफाइंग हो जाने के बाद हिंदी माध्यम के सैकड़ों विद्यार्थियों की यह आम समस्या रही है कि वे सामान्य अध्ययन का कट ऑफ तो पार कर जाते हैं लेकिन सीसैट क्वालिफाई नहीं कर पाते। सीसैट के सवालों के जो प्रश्न-संग्रह बाज़ार में उपलब्ध हैं, उनके समाधानों में गंभीर त्रुटियाँ हैं। दृष्टि पब्लिकेशन्स ने इस पुस्तक में उन कमियों को दूर किया है।

हमें विश्वास है कि प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त करने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी। हमने इसे त्रुटिरहित बनाने का हर संभव प्रयास किया है, फिर भी हो सकता है कि कुछ त्रुटियाँ रह गई हों। आप उन त्रुटियों से हमें अवश्य अवगत कराएँ। साथ ही, **आप इस पुस्तक से संबंधित कोई सुझाव देना चाहें तो 8130392355 नंबर पर वाट्सएप मैसेज से ज़रूर भेजें** ताकि हम आपके सुझावों के आधार पर इसके अगले संस्करण को और बेहतर बना सकें। आपके सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं का इंतज़ार रहेगा।

साभार,

प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

खंड–1

सामान्य अध्ययन 1–236

- भारत का इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन ---------- 2
- भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन ---------- 39
- भारत एवं विश्व का भूगोल ---------- 67
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी ---------- 103
- आर्थिक और सामाजिक विकास ---------- 139
- सामान्य विज्ञान ---------- 185
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ---------- 207
- विविध ---------- 223

खंड–2

सीसैट ..... 237 – 332

- 2017 ---------- 238
- 2016 ---------- 256
- 2015 ---------- 275
- 2014 ---------- 296
- 2013 ---------- 314

यू.पी.एस.सी. सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा

सामान्य अध्ययन

खंड 1

विषय	पृष्ठ संख्या
भारत का इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन	2
भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन	39
भारत एवं विश्व का भूगोल	67
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	103
आर्थिक और सामाजिक विकास	139
सामान्य विज्ञान	185
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	207
विविध	223

भारत का इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन

2017

1. ऋग्वेद-कालीन आर्यों और सिंधु घाटी के लोगों की संस्कृति के बीच अंतर के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. ऋग्वेद-कालीन आर्य कवच और शिरस्त्राण (हेलमेट) का उपयोग करते थे जबकि सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों में इनके उपयोग का कोई साक्ष्य नहीं मिलता।

2. ऋग्वेद-कालीन आर्यों को स्वर्ण, चाँदी और ताम्र का ज्ञान था जबकि सिंधु घाटी के लागों को केवल ताम्र और लोह का ज्ञान था।

3. ऋग्वेद-कालीन आर्यों ने घोड़े को पालतू बना लिया था जबकि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि सिंधु घाटी के लोग इस पशु को जानते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: ऋग्वेदकालीन आर्यों को स्वर्ण, चांदी, ताम्र और साथ ही लौह का ज्ञान भी था जबकि सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों को ताम्र का ज्ञान तो था पर वे लौह के ज्ञान से वंचित थे।

नोट: सिंधु सभ्यता में घोड़े के साक्ष्यों के विषय में विद्वानों में मतभेद है। अत: इस प्रश्न का उत्तर (a) भी हो सकता है।

2. मणिपुरी संकीर्तन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह गीत और नृत्य का प्रदर्शन है।

2. केवल करताल (सिम्बॅल) ही वह एकमात्र वाद्ययंत्र है जो इस प्रदर्शन में प्रयुक्त होता है।

3. यह भगवान कृष्ण के जीवन और लीलाओं को वर्णित करने के लिए प्रदर्शित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1, 2 और 3 **(b) केवल 1 और 3**

(c) केवल 2 और 3 **(d) केवल 1**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: मणिपुरी संकीर्तन में पारंपरिक रूप से गायन, वादन और नृत्य किया जाता है। इसमें विशेष तौर पर मणिपुर के मैदानी भागों में रहने वाले वैष्णव परिवारों के धार्मिक उत्सवों और उनके जीवन के विविध चरणों को कला के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है। यह संकीर्तन मंदिर के केंद्रीय भाग में होता है जहाँ पर कलाकार गायन और नृत्य के ज़रिये भगवान कृष्ण के जीवन और कृत्यों का वर्णन करते हैं। बड़े ही विशिष्ट रूप में, उपासकों से भरे हॉल में ढोलक बजाने वाले और गायक-नर्तक अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।

3. निम्नलिखित में से कौन, ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में रैयतवाड़ी बंदोबस्त के प्रारंभ किए जाने से संबद्ध था/थे?

1. लॉर्ड कॉर्नवालिस

2. अलेक्ज़ैंडर रीड

3. थॉमस मुनरो

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

(a) केवल 1 **(b) केवल 1 और 3**

(c) केवल 2 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: मद्रास प्रेसिडेंसी में सबसे पहले थॉमस मुनरो और कप्तान रीड द्वारा रैयतवाड़ी प्रणाली को शुरू किया गया था। बाद में इसे बंबई, बंगाल के कुछ हिस्सों, असम, कुर्ग आदि तक बढ़ा दिया गया था, जबकि लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त प्रणाली को शुरू किया गया था।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. फैक्टरी ऐक्ट, 1881 औद्योगिक कामगारों की मज़दूरी नियत करने के लिए और कामगारों को मज़दूरी संघ बनाने देने की दृष्टि से पारित किया गया था।

2. एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में मज़दूर आंदोलन संगठित करने में अग्रगामी थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**

(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1, न ही 2**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: फैक्टरी एक्ट, 1881 में औद्योगिक कामगारों को मज़दूर संघ बनाने की अनुमति नहीं प्रदान की गई थी। एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में मज़दूर आंदोलन से जुड़े अग्रणी नेता थे। अत: केवल कथन 2 सत्य है।

5. 1927 की बटलर कमेटी का उद्देश्य था-

(a) केंद्रीय एवं प्रांतीय सरकारों की अधिकारिता निश्चित करना।

(b) भारत के सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट की शक्तियाँ निश्चित करना।

11. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

परंपराएँ	समुदाय
1. चलिहा साहिब उत्सव	- सिंधियों का
2. नन्दा राज जात यात्रा	- गोंडों का
3. वारी-वारकरी	- संथालों का

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या:

- चलिहा साहिब उत्सव– सिंधियों का उत्सव (महाराष्ट्र)
- नन्दा राज जात यात्रा– नंदा देवी मंदिर (उत्तराखण्ड)
- वारी-वारकरी– विठोबा देवता (महाराष्ट्र)
- केवल युग्म (1) सुमेलित है। अत: विकल्प (a) सही है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा/से सूर्य मंदिरों के लिए विख्यात है/हैं?

1. अरसवल्ली **2. अमरकंटक**

3. ओंकारेश्वर

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या:

1. अरसवल्ली – सूर्य मंदिर (आंध्र प्रदेश, श्रीकाकुलम ज़िला)
2. अमरकंटक – विन्ध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियों का मिलन-स्थल है। यहाँ जैन मंदिर है।
3. ओंकारेश्वर – शिव मंदिर (मध्य प्रदेश, खंडवा ज़िला)

13. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के संबंध में, निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए:

1. रॉयल इंडियन नेवी में ग़दर

2. भारत छोड़ो आंदोलन का प्रारंभ

3. द्वितीय गोल मेज़ सम्मेलन

उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम क्या है?

(a) 1–2–3 **(b) 2–1–3**

(c) 3–2–1 **(d) 3–1–2**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- रॉयल इंडियन नेवी में गदर (1946)
- भारत छोड़ो आंदोलन का प्रारंभ (1942)
- द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन (1931)

अत: विकल्प (c) सही है।

2016

1. विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय की कराधान व्यवस्था से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व की दर नियत होती थी।

2. कारखानों के निजी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**

(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1 और न ही 2**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय के समय लगान का निर्धारण भूमि की उत्पादकता और उसकी स्थिति के अनुसार किया जाता था। भूमि से होने वाली पैदावार और उसकी किस्म भू-राजस्व के निर्धारण का सबसे बड़ा आधार था। कारखानों के निजी स्वामी भी एक औद्योगिक कर देते थे। अत: दोनों कथन सत्य हैं।

कृष्णदेव राय तुलुव वंश का महान शासक था। वह 'आंध्र भोज', 'अभिनव भोज', 'आंध्र पितामह' आदि उपाधियों से विभूषित था। उसने बंजर व गैर-कृषि भूमि को कृषि योग्य बनाने हेतु विभिन्न प्रयास किये। साथ ही, उसने 'विवाह कर' जैसे अलोकप्रिय कर को भी समाप्त किया।

कृष्णदेव राय तेलुगु साहित्य का महान विद्वान था। उसने तेलुगु के प्रसिद्ध ग्रंथ 'आमुक्त माल्यद' की रचना की। उसकी यह रचना तेलुगु के पाँच महाकाव्यों में से एक मानी जाती है। उसके दरबार में तेलुगु साहित्य के 8 सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे, जिन्हें 'अष्टदिग्गज' कहा जाता था।

2. प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है?

(a) स्वप्नवासवदत्ता **(b) मालविकाग्निमित्र**

(c) मेघदूत **(d) रत्नावली**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: मालविकाग्निमित्रम् कालिदास का प्रथम नाटक है। इसमें शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र शुंग के पुत्र अग्निमित्र तथा मालविका, जो कि उनके राज्य की नर्तकी थी, की प्रणय कथा का वर्णन किया गया है।

कालिदास संस्कृत के महान कवि थे। उनकी विभिन्न रचनाएँ निम्न हैं-

- नाटक : अभिज्ञान शाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्
- महाकाव्य : रघुवंशम् और कुमार संभवम्
- खंडकाव्य : मेघदूतम् और ऋतुसंहार

3. मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. तमिल क्षेत्र के सिद्ध (सित्तर) एकेश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे।

2015

1. निम्नलिखित राज्यों में से किनका संबंध बुद्ध के जीवन से था?

1. अवंति **2. गांधार**
3. कोसल **4. मगध**

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

(a) 1, 2 और 3 **(b) 2 और 3**
(c) 1, 3 और 4 **(d) केवल 3 और 4**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: बौद्ध धर्म के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध को गृह-त्याग के बाद मगध साम्राज्य में शामिल 'गया' में ज्ञान की प्राप्ति हुई तथा कोसल उनका मुख्य प्रचार क्षेत्र रहा, जहाँ उन्होंने अपने मत का प्रचार किया। अपने वृहद् प्रचार काल में बुद्ध कभी भी अवंति (म.प्र.) या गांधार (अफगानिस्तान) नहीं गए। महात्मा गौतम बुद्ध का विभिन्न स्थानों से निम्न संबंध रहा–

- गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था।
- वैशाली के समीप इनकी मुलाकात अलार कलाम नामक संन्यासी से हुई, जो सांख्य दर्शन के आचार्य थे।
- वैशाली के पश्चात् ज्ञान प्राप्ति के लिये ये रुद्रकरामपुत्त नामक धर्माचार्य के समीप पहुँचे जो कि राजगृह के समीप आश्रम में निवास करता था।
- सारनाथ में इन्होंने अपना प्रथम उपदेश दिया, जो धर्मचक्र प्रवर्तन कहलाता है।
- बुद्ध वाराणसी, लुम्बिनी, कोसल, उरूवेला और वैशाली आदि स्थानों पर ज्ञान के प्रसार हेतु गए।
- कोसल में बुद्ध ने सर्वाधिक प्रचार किया, कोसल नरेश प्रसेनजीत भी इनके शिष्य बने।
- कुशीनगर में इनकी मृत्यु हुई।
- गांधार व अवंति से इनका कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था।

2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये–

तीर्थस्थान		**अवस्थिति**
1. श्रीशैलम	**–**	**नल्लमल्ला पहाड़ियाँ**
2. ओंकारेश्वर	**–**	**सतमाला पहाड़ियाँ**
3. पुष्कर	**–**	**महादेव पहाड़ियाँ**

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: उपर्युक्त तीर्थस्थान और उसकी अवस्थिति में श्रीशैलम का संबंध नल्लमल्ला की पहाड़ियों से है। अत: यह युग्म सुमेलित है, शेष युग्म गलत हैं।

- श्रीशैलम नल्लमल्ला पहाड़ियों पर अवस्थित है। यह एक प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग है। यहाँ शिव की आराधना मल्लिकार्जुन नाम से की जाती है। यह आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले में स्थित है।
- श्रीशैलम शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक है। पुराणों की मान्यता के अनुसार शक्तिपीठ वहीं अस्तित्व में आए, जहाँ-जहाँ सती के अंग के टुकड़े, उनके धारण किये वस्त्र व आभूषण गिरे।
- ओंकारेश्वर मध्य प्रदेश में स्थित है जबकि सतमाला की पहाड़ियाँ भारत के पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र में फैली हुई हैं।
- ओंकारेश्वर मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह स्थान हिन्दू पवित्र चिह्न 'ॐ' के आकार में बना है। यहाँ ओंकारेश्वर व अमरेश्वर दो मंदिर स्थित हैं।
- महादेव की पहाड़ियाँ मध्य प्रदेश में स्थित हैं, जबकि पुष्कर राजस्थान में अरावली पहाड़ियों पर स्थित है। अजमेर शहर में स्थित पुष्कर में ब्रह्माजी का एक मंदिर है। यहाँ कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है। इसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं।
- पुष्कर जैनियों का भी प्रसिद्ध तीर्थस्थल रहा है। जैनियों की वंशावलियों में यह क्षेत्र पद्मावती के नाम से जाना जाता है। जिनदत्त सूरि ने यहाँ की यात्रा की व लोगों को दीक्षा दी। यह क्षेत्र ऊँटों के व्यापार मेले के लिये भी जाना जाता है।

3. भारतीय इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सामंती व्यवस्था का/के अनिवार्य तत्त्व है/हैं?

1. अत्यंत सशक्त केन्द्रीय राजनैतिक सत्ता और अत्यंत दुर्बल प्रांतीय अथवा स्थानीय राजनीतिक सत्ता
2. भूमि के नियंत्रण तथा स्वामित्व पर आधारित प्रशासनिक संरचना का उदय
3. सामंत तथा उसके अधिपति के बीच स्वामी-दास संबंध का बनना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

(a) 1 और 2 **(b) 2 और 3**
(c) केवल 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: भारत में सामंतवादी समाज के विकास के बड़े दूरगामी प्रभाव पड़े। इससे राजा की शक्ति कम हो गई और वह ऐसे सामंती सरदारों पर अधिक निर्भर रहने लगा जिनके पास अपनी स्वयं की सेनाएँ थीं। इस प्रकार केन्द्रीय राजनैतिक सत्ता क्रमश: कमज़ोर होती गई तथा प्रांतीय या स्थानीय सत्ता उत्तरोत्तर मज़बूत होती गई। अत: कथन 1 पूर्णत: गलत है, जबकि शेष दोनों कथन सही हैं, इसलिये इसका उत्तर (b) है।

- पूर्व मध्यकालीन भारत में सामंती संबंधों का उदय हुआ। यह भू-अनुदान प्रथा से जुड़ा हुआ है। इसके तहत धार्मिक, प्रशासनिक प्रमुखों को भूमि दान में दी जाती थी। इनको कर, प्रशासन व अन्य शाही अधिकार भी प्रदान किये गए जिससे अधीनस्थ शासक मज़बूत होते गए तथा प्रांतीय व क्षेत्रीय स्तर पर मज़बूत शासक उभरे।

की तकनीकियाँ दो आधारभूत मुद्राओं 'चौक' और 'त्रिभंग' के आस-पास निर्मित होती हैं। 'त्रिभंग' एक स्त्रियोचित मुद्रा है, जिसमें शरीर गले, धड़ और घुटने पर मुड़ा होता है।

- 'त्रिभंग मुद्रा' में शरीर का आकार 'S' (अंग्रेज़ी वर्णमाला के 'एस' अक्षर) के समान हो जाता है।

15. निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों पर विचार कीजिये-

1. अजंता की गुफाएँ **2. लेपाक्षी मंदिर**

3. साँची स्तूप

उपरोक्त स्थलों में से कौन-सा/से भित्ति चित्रकला के लिये भी जाना जाता है/जाने जाते हैं?

(a) केवल 1 **(b) 1 और 2**

(c) 1, 2 और 3 **(d) इनमें से कोई नहीं।**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: अजंता की गुफाएँ व लेपाक्षी मंदिर भित्ति चित्रकला (Wall Painting) के लिये जाने जाते हैं। साँची का स्तूप आंशिक रूप से भित्ति चित्रकला को भी धारण करता है, परंतु यह उसकी महत्त्वपूर्ण विशेषता नहीं है। अत: उपरोक्त विकल्पों में से (b) सही उत्तर है।

- प्रागैतिहासिक काल से ही मिट्टी के बर्तनों, दीवारों आदि पर चित्रकारी की जा रही है।
- लगभग तीसरी-चौथी शताब्दी ई. पू. का एक बौद्ध ग्रंथ विनयपिटक, कई ऐसे विहार-गृहों का प्रमाण देता है जहाँ चित्रकक्ष हैं। साथ ही महाभारत तथा रामायण आदि के प्रसंगों में भी भित्ति-चित्र का वर्णन मिलता है।
- महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित अजंता गुफाओं में भी शानदार भित्ति चित्रकारी देखने को मिलती है। इस चित्रकला की विषय-वस्तु को देखें तो स्पष्ट होगा कि छतों व स्तम्भों की चित्रकारी को छोड़कर लगभग शेष सभी चित्रांकन बौद्ध धर्म से संबंधित हैं।
- लेपाक्षी मंदिर, आंध्र प्रदेश के अनन्तपुर में स्थित है। यह अपनी भित्ति चित्रकला के लिये जाना जाता है। इस विशाल मंदिर परिसर में भगवान शिव, विष्णु व वीरभद्र को समर्पित तीन मंदिर हैं।

16. भारत में दार्शनिक विचार के इतिहास के संबंध में, सांख्य सम्प्रदाय से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. सांख्य पुनर्जन्म व आत्मा के आवागमन के सिद्धांत को स्वीकार नहीं करता है।

2. सांख्य की मान्यता है कि आत्मज्ञान ही मोक्ष की ओर ले जाता है, न कि कोई बाह्य प्रभाव अथवा कारक।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**

(c) 1 और 2 **(d) न तो 1 और न ही 2**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: कपिल मुनि द्वारा प्रवर्तित सांख्य दर्शन में पुनर्जन्म व आत्मा के आवागमन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया है।

- भारतीय दर्शनों के 6 प्रकारों में सांख्य भी एक है, जो प्राचीन काल में अत्यन्त प्रचलित हुआ था। इसकी स्थापना करने वाले महर्षि कपिल माने जाते हैं।
- इसकी सबसे प्रमुख धारणा सृष्टि के प्रकृति-पुरुष से बनी होने की है, यहाँ प्रकृति जड़ है तथा पुरुष चेतन।
- इस दर्शन की मान्यता है कि यथार्थ/आत्मज्ञान ही मोक्ष की ओर ले जाता है, न कि कोई बाह्य प्रभाव या कारक। अत: कथन 2 सही है।
- यथार्थ ज्ञान, प्रत्यक्ष अनुमान और शब्द के माध्यम से हो सकता है। आजकल यही मार्ग वैज्ञानिक अनुसंधान का भी है।
- इस दर्शन के अनुसार, हम कई प्रकार के दु:खों को भोगते हैं- आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधिभौतिक। इन दु:खों से कई बार तात्कालिक मुक्ति होती है, लेकिन इनसे स्थायी मुक्ति के लिये मोक्ष या कैवल्य की ओर ध्यान लगाना चाहिये।

2012

1. मध्ययुगीन भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सूफी संत निम्नलिखित में से किस तरह के आचरण का निर्वाह करते थे?

1. ध्यान साधना व श्वास नियमन

2. एकांत में कठोर यौगिक व्यायाम

3. श्रोताओं में आध्यात्मिक हर्षोन्माद उत्पन्न करने के लिये पवित्र गीतों का गायन

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: मध्ययुगीन सूफी संतों के आचरण के सन्दर्भ में तीनों कथन सही हैं, इनकी विस्तृत चर्चा निम्न है-

- सूफीवाद, इस्लाम के भीतर ही एक सुधारवादी आंदोलन के रूप में ईरान से शुरू हुआ था।
- भारत में दिल्ली सल्तनत की स्थापना के पूर्व सूफी सिलसिले का आगमन हो चुका था।
- 12वीं शताब्दी तक सूफी सम्प्रदाय 12 सिलसिलों में विभाजित हो गया था। भारत में चिश्ती, सुहरावर्दी, कादिरी, सत्तारी, नक्शबंदी आदि प्रमुख सम्प्रदाय थे।
- प्रेम व उदारता सूफी आंदोलन का मूल भाव था। इनकी रहस्यवादी भावना व्यक्ति और समाज को वर्ग, धर्म, धन, शक्ति और पद के अवरोधों से ऊपर उठाकर उनकी नैतिक उन्नति में योगदान देती थी। इन्होंने कर्मकाण्डों व अंधविश्वासों का विरोध किया।

भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन

2017

1. भारत की संसद के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गैर-सरकारी विधेयक ऐसा विधेयक है जो संसद् के ऐसे सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाता है जो निर्वाचित नहीं है किंतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्दिष्ट है।

2. हाल ही में, भारत की संसद् के इतिहास में पहली बार एक गैर-सरकारी विधेयक पारित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**

(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1, न ही 2**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: मंत्री द्वारा पेश किये जाने वाले विधेयक को सरकारी विधेयक कहा जाता है तथा मंत्री को छोड़कर शेष किसी भी सदस्य द्वारा पेश किये जाने वाले विधेयक को गैर-सरकारी विधेयक कहा जाता है। हाल ही में संसद में गैर-सरकारी विधेयक पेश तो किया गया, लेकिन पारित नहीं हो पाया।

2. समाज में समानता के होने का एक निहितार्थ यह है कि उसमें

(a) विशेषाधिकारों का अभाव है

(b) अवरोधों का अभाव है

(c) प्रतिस्पर्धा का अभाव है

(d) विचारधारा का अभाव है

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: समानता मूल्य को साकार करने का अर्थ विशेषाधिकारों के अभाव से लगाया जाता है। प्राकृतिक विषमता दूर करना हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं, परंतु इस आधार पर समाज में जो विषमताएँ निर्मित की जाती हैं उन्हें दूर करना सभी समाजों का लक्ष्य होना चाहिये। हेराल्ड लास्की के अनुसार समानता में किसी को विशेषाधिकार प्राप्त नहीं होना चाहिये।

3. संविधान के 42वें संशोधन द्वारा, निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत राज्य की नीति के निदेशक तत्त्वों में जोड़ा गया था?

(a) पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य का समान वेतन

(b) उद्योगों के प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता

(c) काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता पाने का अधिकार

(d) श्रमिकों के लिए निर्वाह-योग्य वेतन एवं काम की मानवीय दशाएँ सुरक्षित करना

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 43A उद्योग प्रबंधन में कामगारों की भागीदारी से संबद्ध है और इसका उल्लेख भारतीय संविधान के भाग IV में राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों के तहत किया गया है। यह अनुच्छेद 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा सम्मिलित किया गया।

4. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही है?

(a) अधिकार नागरिकों के विरुद्ध राज्य के दावे हैं।

(b) अधिकार वे विशेषाधिकार हैं जो किसी राज्य के संविधान में समाविष्ट हैं।

(c) अधिकार राज्य के विरुद्ध नागरिकों के दावे हैं।

(d) अधिकार अधिकांश लोगों के विरुद्ध कुछ नागरिकों के विशेषाधिकार हैं।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: नागरिक अधिकारों का अर्थ वे मूल स्वतंत्रताएँ हैं जिनका उपयोग नागरिक कर सकता है और यदि इन अधिकारों के उपयोग में किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न हो तो वह न्यायालयों अथवा प्रशासनिक अधिकरणों की सहायता से उनके उपभोग की सुविधा प्राप्त कर सकता है। अत: स्पष्ट है कि अधिकार राज्य के विरुद्ध नागरिकों के दावे हैं।

5. स्थानीय स्वशासन की सर्वोत्तम व्याख्या यह की जा सकती है कि यह एक प्रयोग है

(a) संघवाद का

(b) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का

(c) प्रशासकीय प्रत्यायोजन का

(d) प्रत्यक्ष लोकतंत्र का

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: लोकतंत्र में शासन के सभी स्तरों पर जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने में स्थानीय स्वशासन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके दो मूल तत्त्व हैं–(1) यह राज्य की शासन व्यवस्था को निचले स्तर तक विकेंद्रीकृत करता है। (2) यह लोकतंत्र में स्थानीय लोगों की प्रत्यक्ष भागीदारी को संभव बनाता है। भारत में 25 अप्रैल, 1993 के 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायती राज प्रणाली द्वारा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को मूर्त रूप प्रदान किया गया है। अत: विकल्प (b) सही है।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

भारत के संविधान के संदर्भ में, राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 243G(a) में यह उल्लेख किया गया है कि पंचायतों को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की योजना बनाने का कार्यभार दिया जाना चाहिये।

2012

1. भारत के संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच किये गए शक्तियों का विभाजन इनमें से किसमें उल्लिखित योजना पर आधारित है?

(a) मार्ले-मिंटो सुधार, 1909
(b) मान्टेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम, 1919
(c) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(d) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: भारतीय संविधान का एक बड़ा हिस्सा भारत सरकार अधिनियम, 1935 से संबंधित है। इस अधिनियम में केन्द्र व राज्यों के मध्य शक्तियों के विभाजन संबंधी उपबंध किये गए थे।

1935 के भारत सरकार अधिनियम के प्रमुख प्रावधान

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 की सबसे बड़ी विशेषता ब्रिटिश प्रांतों तथा संघ में शामिल होने के लिये तैयार भारतीय रियासतों की एक 'अखिल भारतीय फेडरेशन' की व्यवस्था करना था।
- चूँकि अपेक्षित संख्या में रियासतें इसमें शामिल नहीं हुईं,परिणामस्वरूप अखिल भारतीय संघ कभी भी अस्तित्व में नहीं आ सका।
- 1919 के अधिनियम के द्वारा प्रारम्भ किये गए प्रांतीय द्वैध शासन को समाप्त कर दिया गया तथा केन्द्र में द्वैध शासन प्रणाली लागू करने का प्रावधान किया गया, किंतु संघ के अस्तित्व में न होने के कारण यह व्यवस्था लागू नहीं हो सकी।
- भारत सरकार अधिनियम, 1858 के द्वारा स्थापित भारत परिषद को समाप्त कर दिया गया।
- इस अधिनियम के द्वारा साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति में विस्तार किया गया। इसके द्वारा दलित जातियों, महिलाओं और मज़दूर वर्ग के लिये अलग से निर्वाचन की व्यवस्था की गई। साथ ही, इस अधिनियम के तहत बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया और उड़ीसा (बिहार से अलग करके) तथा सिंध (बंबई से अलग करके) के नए प्रांतों का निर्माण किया गया।
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत केंद्र और संबंधित इकाइयों की शक्तियों के बँटवारे के लिये तीन सूचियों [संघ सूची (59 विषय), राज्य सूची (54 विषय) तथा समवर्ती सूची (36 विषय)] का प्रावधान किया गया।
- इस अधिनियम के द्वारा परिसंघ न्यायालय और लोक सेवा आयोग की स्थापना भी की गई थी।

2. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौन-से प्रावधान शिक्षा पर प्रभाव डालते हैं?

1. राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
2. ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय
3. पंचम अनुसूची
4. षष्ठ अनुसूची
5. सप्तम अनुसूची

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2 **(b) केवल 3, 4 और 5**
(c) केवल 1, 2 और 5 **(d) 1, 2, 3, 4 और 5**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व, ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों एवं सातवीं अनुसूची में शिक्षा से संबंधित एवं उसको प्रभावित करने वाले प्रावधान शामिल हैं।

राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व: अनुच्छेद 45 (राज्य छः वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों के प्रारंभिक बाल्यकाल की देख-रेख और शिक्षा का प्रयास करेगा)

ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकाय: अनुच्छेद 243छ के अंतर्गत ग्रामीण स्थानीय निकाय (11वीं अनुसूची विषय संख्या 17, 18 एवं 19) तथा अनुच्छेद 243ब (12वीं अनुसूची विषय संख्या 13) द्वारा शहरी स्थानीय निकाय में शिक्षा का प्रावधान किया गया है।

पंचम अनुसूची: पाँचवी अनुसूची में अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन एवं नियंत्रण के बारे में प्रावधान किये गए हैं।

छठवीं अनुसूची: छठवीं अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबंध किये गए हैं।

सातवीं अनुसूची: सातवीं अनुसूची में केन्द्र सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची को शामिल किया गया है। शिक्षा का विषय समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है।

3. भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित राज्य की नीति के निदेशक तत्त्वों के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधानों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय नागरिकों के लिये समान नागरिक (सिविल) संहिता सुरक्षित करना
2. ग्राम पंचायतों को संघटित करना
3. ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करना
4. सभी कर्मकारों के लिये यथोचित अवकाश तथा सांस्कृतिक अवसर सुरक्षित करना

उपर्युक्त में से कौन-से गांधीवादी सिद्धांत हैं जो राज्य की नीति के निदेशक तत्त्वों में प्रतिबिंबित होते हैं?

(a) केवल 1, 2 और 4 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1, 3 और 4 **(d) 1, 2, 3 और 4**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: उपर्युक्त कथनों में से केवल कथन 2 और कथन 3 ही ऐसे नीति के निदेशक तत्त्व हैं जो गांधीवादी सिद्धांतों से मेल खाते हैं।

भारत एवं विश्व का भूगोल

2017

1. भारत में एक ऐसा स्थान है, जहाँ यदि आप समुद्र किनारे खड़े होकर समुद्र का अवलोकन करें, तो आप पाएँगे कि दिन में दो बार समुद्री जल तटीय रेखा से कुछ किलोमीटर पीछे की ओर चला जाता है और फिर तट पर वापस आता है, और जब जल पीछे हटा होता है, तब आप वास्तव में समुद्र तल पर चल सकते हैं। यह अनूठी घटना कहाँ देखी जाती है?

(a) भावनगर में **(b) भीमुनिपटनम में**
(c) चांदीपुर में **(d) नागपट्टिनम में**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: दिये गए विकल्पों में चांदीपुर एक ऐसा स्थान है जहाँ दिन में दो बार समुद्री जल तटीय रेखा से कुछ किलोमीटर पीछे हट जाता है। अत: विकल्प (c) सही है।

2. तीस्ता नदी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. तीस्ता नदी का उद्गम वही है जो ब्रह्मपुत्र का है लेकिन यह सिक्किम से होकर बहती है।
2. रंगीत नदी की उत्पत्ति सिक्किम में होती है और यह तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है।
3. तीस्ता नदी, भारत एवं बांग्लादेश की सीमा पर बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 **(b) केवल 2**
(c) केवल 2 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या:

- तीस्ता नदी का उद्गम पाउहुनरी हिमनद से हुआ है, जबकि ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत के दक्षिण में स्थित मानसरोवर झील से हुआ है।
- रंगीत नदी की उत्पत्ति सिक्किम में होती है और यह तीस्ता की सहायक नदी है। यह एक सदानीरा नदी है और गर्मियों में हिमालय की पिघलती बर्फ तथा मानसून में वर्षा द्वारा इसे जल की प्राप्ति होती है।
- तीस्ता नदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल में बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है और ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है तथा यह संयुक्त रूप से बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

3. यदि आप कोहिमा से कोट्टयम की यात्रा सड़क मार्ग से करते हैं, तो आपको मूल स्थान और गंतव्य स्थान को मिलाकर भारत के अंदर कम-से-कम कितने राज्यों में से होकर गुज़रना होगा?

(a) 6 **(b) 7**
(c) 8 **(d) 9**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: कोहिमा (नागालैंड) से कोट्टायम (केरल) की यात्रा में कुल 7 राज्यों से गुज़रना होगा, जो हैं–

1. नागालैंड 2. असम 3. पश्चिम बंगाल
4. ओडिशा 5. आंध्र प्रदेश 6. तमिलनाडु/कर्नाटक
7. केरल

54. भूमध्यसागर, निम्नलिखित में से किन देशों की सीमा है?

1. जॉर्डन **2. इराक**
3. लेबनान **4. सीरिया**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2, और 3 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 3 और 4 **(d) केवल 1, 3 और 4**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- भूमध्यसागर उत्तर में यूरोप, दक्षिण में अफ्रीका और पूर्व में मध्य-पूर्व के देशों से घिरा है।
- अफ्रीकी देशों में- मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया और मिस्र की सीमा भूमध्यसागर से लगती है।
- यूरोप के देशों में- स्पेन, फ्राँस, इटली और ग्रीस की सीमा भूमध्य सागर से लगती है।
- मध्य-पूर्व के देशों में- तुर्की, सीरिया, लेबनान और इज़रायल की सीमा भूमध्यसागर से लगती है।
- ध्यातव्य है कि साइप्रस मध्य-पूर्व का एक देश है जो भूमध्यसागर में अवस्थित है।

अत: अभीष्ट उत्तर केवल 3 और 4 अर्थात् विकल्प (c) है।

58. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में, हिमालय केवल पाँच राज्यों में फैला हुआ है।
2. पश्चिम घाट केवल पाँच राज्यों में फैले हुए हैं।
3. पुलिकट झील केवल दो राज्यों में फैली हुई है।

वर्षा होती है। यह वर्षा शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों से होती है जिन्हें पछुआ पवनें प्रवाहित होने के क्रम में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग पर लाती हैं। भूमध्यसागर से गमन करते हुए ये वायुसंहतियाँ आर्द्रता ग्रहण करती हैं जो पश्चिमोत्तर भारत में वर्षा करती हैं, इस प्रक्रिया को पश्चिमी विक्षोभ की संज्ञा दी जाती है। इस प्रकार स्पष्ट है- कथन 2 सही है।

8. महासागरों और समुद्रों में ज्वार-भाटा किसके/किनके कारण होता/होते हैं?

1. सूर्य का गुरुत्वीय बल 2. चन्द्रमा का गुरुत्वीय बल
3. पृथ्वी का अपकेन्द्रीय बल

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: सूर्य एवं चंद्रमा की आकर्षण शक्तियों के कारण सागरीय जल के ऊपर उठने तथा नीचे गिरने को ज्वार-भाटा कहा जाता है।

- सागरीय जल के ऊपर उठकर आगे (तट की ओर) बढ़ने को ज्वार तथा उस समय निर्मित उच्च जल तल को उच्च ज्वार (High Tide) एवं सागरीय जल के नीचे गिरकर सागर की ओर लौटने को भाटा (Ebb) तथा उससे निर्मित निम्न जल तल को निम्न ज्वार कहते हैं।

सागरीय जल की उत्पत्ति के उत्तरदायी कारण

1. **चंद्रमा का आकर्षण:** चंद्रमा के सामने स्थित सागरीय भाग के जल पर आकर्षण बल लगता है, परिणामस्वरूप चंद्रमा के सामने स्थित पृथ्वी का जल आकर्षित होता है जिस कारण ज्वार अनुभव किया जाता है।
2. **सूर्य का आकर्षण:** जब सूर्य और चंद्रमा एक सीध में होते हैं तो दोनों की आकर्षण शक्ति मिलकर एक साथ कार्य करती है तथा उच्च ज्वार का अनुभव किया जाता है, यह स्थिति पूर्णमासी तथा अमावस्या को होती है। इसके विपरीत जब सूर्य, चंद्रमा तथा पृथ्वी समकोण पर होते हैं तो सूर्य तथा चंद्रमा के आकर्षण बल एक-दूसरे के विपरीत कार्य करते हैं जिस कारण निम्न ज्वार का अनुभव किया जाता है।
3. पृथ्वी का अपकेन्द्रीय बल: पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न अपकेंद्रीय बल के प्रभाव से सागरीय जल पृथ्वी केन्द्र से दूर गमन करता है, जिससे ज्वार की उत्पत्ति होती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रश्नांकित तीनों ही कारण सही हैं।

9. निम्नलिखित राज्यों पर विचार कीजिये:

1. अरुणाचल प्रदेश
2. हिमाचल प्रदेश
3. मिज़ोरम

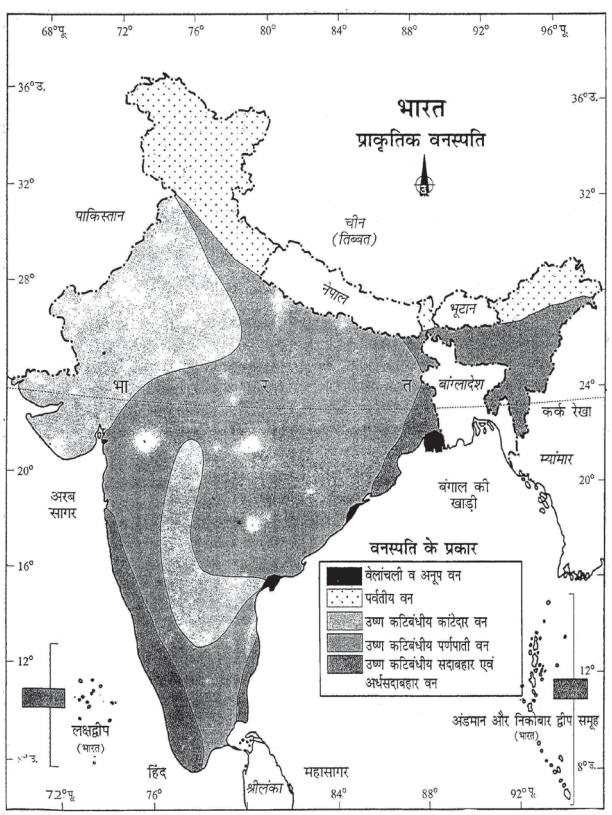
उपर्युक्त राज्यों में से किसमें/किनमें 'उष्णकटिबन्धीय आर्द्र सदापर्णी वन' होते हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वन, वर्षा वनों का एक अनूठा उदाहरण हैं। ये वन 200 सेमी. से अधिक औसत वार्षिक वर्षा, 22ºC औसत तापमान से अधिक वाली जलवायविक दशाओं में ही विकसित होते हैं।

- यहाँ विविध प्रजातियों के वन एक साथ पाए जाते हैं जो कि वर्ष में भिन्न-भिन्न अवधियों में अपनी पत्तियाँ गिराते हैं, एकसाथ नहीं, अत: ये समग्र रूप से सदापर्णी बने रहते हैं।
- भारत में ये वन अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह, पश्चिमी घाट (विशेषकर कर्नाटक के भाग) अन्नामलाई पहाड़ियाँ, असम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश एवं मिज़ोरम में पाए जाते हैं।
- हिमाचल प्रदेश में उपर्युक्त वनों के लिये भौगोलिक दशाएँ अनुकूल नहीं हैं इसीलिये यहाँ उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदापर्णी वन नहीं पाए जाते हैं, बल्कि यहाँ पर्वतीय वनस्पति पाई जाती है।
- भारत में विभिन्न वनों का वितरण प्रतिरूप:



प्राकृतिक वनस्पति

- यह गन्ने की उत्पादकता में अभूतपूर्व वृद्धि करने में सहायक है।
- यह प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सुधार में अत्यंत सहायक है।
- इस पहल से किसानों को अधिक ऊँची आय प्राप्त होने की संभावनाएँ हैं।
- इस पद्धति में कृषि की पारंपरिक पद्धति की तुलना में बीज की लागत बहुत कम होती है।
- इसमें ड्रिप सिंचाई का प्रभावकारी प्रयोग हो सकता है।
- कृषि की पारंपरिक पद्धति की तुलना में इसमें अंतराशस्यन (Intercropping) की ज़्यादा गुंजाइश है। गन्ने के साथ गेहूँ, आलू, दालों को प्रभावी तरीके से उगाया जा सकता है।
- यह अत्यंत कम संसाधन आगतों (Resource Input) में उच्च उत्पादकता को बढ़ावा देती है।
- इस पद्धति में जल व बीज के अलावा उर्वरक पर निर्भरता भी काफी हद तक कम की जा सकती है। लेकिन ऐसा नहीं है कि इसमें रासायनिक/अकार्बनिक उर्वरकों का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं होता।

2013

1. पृथ्वी ग्रह पर, अधिकांश अलवण-जल, बर्फ छत्रक और हिमनद के रूप में रहता है। शेष अलवण जल का सबसे अधिक भाग

(a) वायुमण्डल में आर्द्रता और बादलों के रूप में पाया जाता है
(b) अलवण-जल झीलों और नदियों में पाया जाता है
(c) भूमिगत जल के रूप में
(d) मृदा आर्द्रता के रूप में

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल के लगभग 71% भाग पर जल का विस्तार है तथा कुल जल का 97.3% भाग सागरों एवं महासागरों में एवं शेष जलवाष्प, नदियों, झीलों, हिमखंडों एवं हिमनदों के रूप में विद्यमान है।
- पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल में अलवण जल 2.7% है। इसमें से लगभग 68% ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ छत्रक तथा हिमनद के रूप में विद्यमान है और लगभग 28% भूमिगत जल के रूप में। शेष 4% जल झीलों, नदियों, वायुमंडलीय नमी, मृदा और वनस्पति में मौजूद है।

2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	जनजाति	राज्य
1.	लिम्बू	सिक्किम
2.	कार्बी	हिमाचल प्रदेश
3.	डोंगरिया कोंध	ओडिशा
4.	बोण्डा	तमिलनाडु

उपरोक्त युग्मों में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) 1 और 3 **(b) 2 और 4**
(c) 1, 3 और 4 **(d) ये सभी**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या:

- **लिम्बू** जनजाति, तिब्बती मूल की स्थानीय जनजाति है। ये भारत में सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में निवास करती है। अत: युग्म 1 सही है।
- **कार्बी** जनजाति को 'मिकिर' के नाम से भी जाना जाता है जो पूर्वोत्तर भारत का एक बड़ा नृजातीय समूह है। यह जनजाति विशिष्ट रूप से असम के कार्बी पहाड़ियों में पाई जाती है। अत: युग्म 2 गलत है।
- **डोंगरिया कोंध** जनजाति ओडिशा की नियामगिरि पहाड़ियों की स्थानीय जनजाति है। नियामगिरि पहाड़ियों पर बॉक्साइट के अवैध खनन के कारण इस जनजाति के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है, जिसका विरोध इस जनजाति द्वारा किया जा रहा है। अत: कथन 3 सही है।
- **बोण्डा** जनजाति को बोंड़ो तथा रेमो आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है। यह जनजाति ओडिशा के मलकानगिरी ज़िले में निवास करने वाली सबसे पुरानी जनजाति है। अत: युग्म 4 भी गलत है।
- ध्यातव्य है कि जनगणना 2011 के अनुसार देश में जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6% है।

3. निम्नलिखित फसलों पर विचार कीजिये:

1. कपास **2. मूँगफली**
3. धान **4. गेहूँ**

उपरोक्त में से कौन-सी खरीफ की फसलें हैं?

(a) 1 और 4 **(b) 2 और 3**
(c) 1, 2 और 3 **(d) 2, 3 और 4**

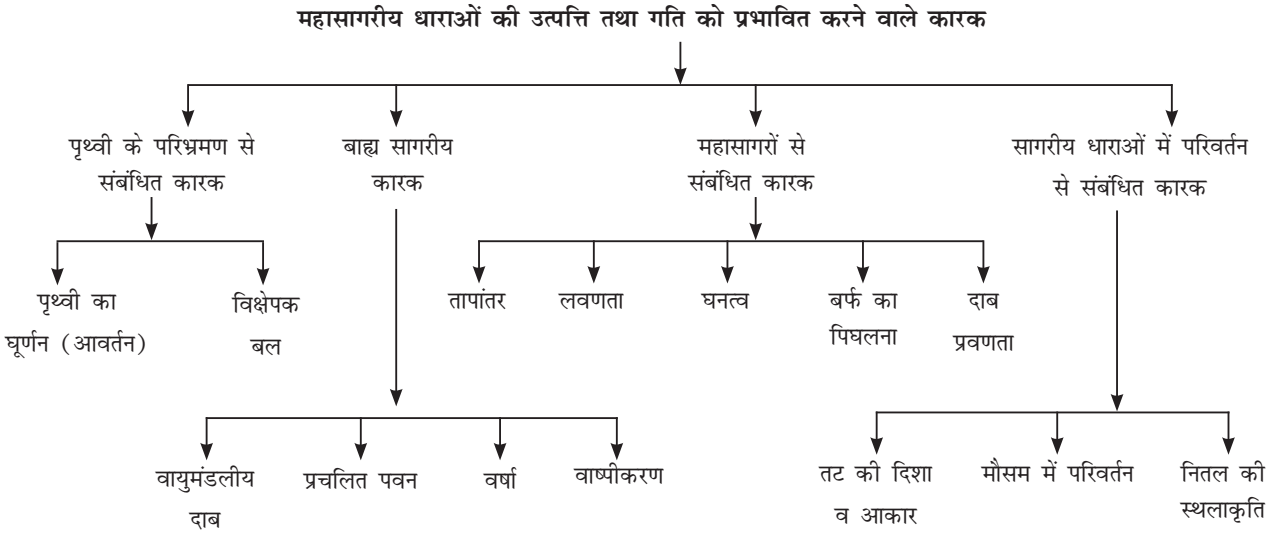
सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

कृषि (ऋतु)	प्रमुख फसलें
खरीफ (जून से अक्तूबर)	धान, कपास, बाजरा, मक्का, ज्वार, अरहर (तूर), मूँगफली आदि
रबी (नवंबर से मार्च)	गेहूँ, चना, सरसों, जौ, अलसी आदि
जायद (अप्रैल से जून)	वनस्पति, सब्जियाँ, फल, चारा फ़सलें

4. "जलवायु चरम है, वर्षा कम है और लोग चलवासी पशुचारक हुआ करते थे।"

व्याख्या



इस प्रकार महासागरीय धाराओं को प्रभावित करने वाले कारकों के संदर्भ में प्रथम तीन कारक सही हैं। जबकि चौथा कारक गलत है क्योंकि पृथ्वी के परिक्रमण (Revolution of Earth) का सागरीय धाराओं की उत्पत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

9. सामान्यतया पृथ्वी की सतह से ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान में घटोत्तरी होती है, क्योंकि

1. वायुमंडल पृथ्वी की सतह से केवल ऊपर की ओर गर्म हो सकता है।
2. ऊपरी वायुमण्डल में आर्द्रता अधिक होती है।
3. ऊपरी वायुमण्डल में हवा कम घनी होती है।

निम्नलिखित कूट के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य से आने वाली लघु विकिरण तरंगों से गर्म नहीं होता है अपितु पृथ्वी की सतह से परावर्तित दीर्घ विकिरण तरंगों द्वारा गर्म होता है। यही कारण है कि पृथ्वी का वायुमंडल नीचे से ऊपर की ओर गर्म होता है तथा क्रमश: ऊपर की ओर तापमान में कमी होती जाती है। अत: कथन 1 सही है।

- वायुमंडल में पृथ्वी की सतह से ऊपर जाने पर तापमान में क्रमश: कमी होती जाती है। यह कमी 6.5°C प्रति किलोमीटर की दर से होती है जिसे सामान्य ताप ह्रास दर कहा जाता है।
- वायुमंडल के निचले भागों में वायु की सघनता अधिक होती है। इसका प्रमुख कारण पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति है, जो वायु में प्रत्येक कण पर गुरुत्व बल अधिरोपित करती है। जिससे वायु की सघनता धरातल के समीप अधिक होती है एवं ऊपर की ओर जाने पर वायु में विरलता आने लगती है।
- कथन 2 असत्य है। वायुमंडल में आर्द्रता की मात्रा निचले भागों में अधिक होती है तथा ऊपरी वायुमंडलीय भाग में कम आर्द्रता पाई जाती है।

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दक्षिणी भारत से उत्तरी भारत की ओर मानसून की अवधि घटती है।
2. उत्तरी भारत के मैदानों में वार्षिक वृद्धि की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**
(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1 और न ही 2**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत के केरल तट पर 1 जून को पहुँचता है और शीघ्र ही 10 और 13 जून के बीच ये आर्द्र पवनें मुंबई व कोलकाता तक पहुँच जाती हैं। मध्य जुलाई तक संपूर्ण उपमहाद्वीप दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रभावाधीन हो जाता है तथा 10 जून को पटना, 15 जून को लखनऊ एवं 1 जुलाई को जयपुर पहुँचता है। इसी प्रकार सितंबर के आरंभ से उत्तर-पश्चिमी भारत से मानसून पीछे हटने लगता है तथा मध्य अक्तूबर तक दक्षिण भारत को छोड़ शेष समस्त भारत से मानसून निवर्तित हो जाता है।
- लौटती हुई मानसूनी पवनें बंगाल की खाड़ी से जलवाष्प ग्रहण करके उत्तर-पूर्वी मानसून के रूप में तमिलनाडु में वर्षा करती हैं। इससे स्पष्ट है कि उत्तर भारत में मानसून की अवधि सामान्यत: जून से सितंबर माह के बीच होती है जबकि दक्षिण भारत में यह जून से नवंबर तक बनी रहती है। अत: कथन 1 सत्य है।

व्याख्या: सही सुमेलन इस प्रकार हैं-

	बांध/झील		नदी
(a)	गोविंद सागर	–	सतलज
(b)	कोलेरू झील	–	कृष्णा एवं गोदावरी नदी डेल्टा
(c)	उकाई जलाशय	–	तापी
(d)	वुलर झील	–	झेलम

12. यदि हिमालय पर्वतश्रेणियाँ नहीं होतीं तो भारत पर सर्वाधिक सम्भाव्य भौगोलिक प्रभाव क्या होता?

1. देश के अधिकांश भाग में साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव होता।

2. सिन्ध-गंगा मैदान इतनी सुविस्तृत जलोढ़ मृदा से वंचित होता।

3. मानसून का प्रतिरूप वर्तमान प्रतिरूप से भिन्न होता।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 1 और 3**

(c) केवल 2 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या:

- हिमालय पर्वत श्रेणियाँ उत्तर के साइबेरिया से आने वाली पवनों के लिये प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करती हैं। यदि हिमालय न होता तो देश का अधिकांश भाग साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव करता। अत: कथन 1 सही है।
- हिमालय से अनेक सदानीरा नदियाँ निकलती हैं। सिंधु नदी तंत्र, गंगा नदी तंत्र तथा ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र इसके तीन प्रमुख नदी तंत्र हैं। इससे निकलने वाली अनेक नदियाँ हिमालय का व्यापक पैमाने पर अपरदन करती हैं जिसका निक्षेपण सिंधु-गंगा मैदान में हुआ है तथा भारत की जलोढ़ मृदा का निर्माण हुआ है।
- हिमालय मानसूनी पवनों के लिये प्राकृतिक अवरोधक का कार्य करता है। जब ये पवनें हिमालय पर चढ़ने का प्रयास करती हैं तो मानसूनी पवनों में 'रूद्धोष्म ताप परिवर्तन' होता है जिससे भारी वर्षा होती है। यदि हिमालय नहीं होता तो ये पवनें उत्तर भारत को पार कर जातीं। परिणामत: संपूर्ण उत्तर भारत एक मरुस्थल होता।
- नवीन खोजों से यह भी पता चला है कि हिमालय पश्चिमी जेट प्रवाह को दो शाखाओं में विभाजित करता है। पश्चिमी जेट की दक्षिणी शाखा जब तक उत्तर की ओर प्रतिस्थापित नहीं हो जाती तब तक मानसून का आगमन अथवा प्रस्फोट नहीं होता है।

13. सिक्किम से गुज़रने वाला अक्षांश निम्नलिखित में से किस एक से भी होकर गुज़रता है?

(a) राजस्थान **(b) पंजाब**

(c) हिमाचल प्रदेश **(d) जम्मू-कश्मीर**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: सिक्किम राज्य का विस्तार लगभग 26°–28° उत्तरी अक्षांश के बीच है। इससे गुज़रने वाला 28° उत्तरी अक्षांश भारत के उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा व अरुणाचल प्रदेश राज्य से होकर गुज़रता है। जबकि प्रश्नांकित राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर से होकर यह नहीं गुज़रता है। अत: विकल्प (a) सही विकल्प है।

14. एक भौगोलिक क्षेत्र जिसकी ऊँचाई 400 मी है, की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

माह	J	F	M	A	M	J	J	A	S	O	N	D
औसत तापमान°C	31	31	31	31	31	30	29	28	29	29	30	31
औसत न्यूनतम तापमान°C	21	21	21	21	21	21	21	20	20	20	20	20
वर्षा (mm)	51	8	188	188	158	139	121	168	185	221	198	86

यदि इस भौगोलिक क्षेत्र में प्राकृतिक वन विद्यमान हो, तो सर्वाधिक सम्भावना यह है कि यह-

(a) आर्द्र शीतोष्ण शंकुवृक्षी वन होगा

(b) पर्वतीय उपोष्ण वन होगा

(c) शीतोष्ण वन होगा

(d) उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन होगा

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: उपरोक्त भौगोलिक विशेषता वाला वन उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन होगा। इस भौगोलिक वन वाले क्षेत्र में दोगुनी वर्षा जहाँ ऊँचाई 400 मीटर या उससे अधिक होती है। यहाँ कुल वार्षिक वर्षा 173.7 सेमी. के आस-पास होती है। यहाँ वार्षिक तापांतर 2°C या 3°C होता है। इस वनस्पति प्रदेश में वृक्षों की औसत ऊँचाई सामान्यत: 20 से 45 मीटर होती है। इन वनों में वृक्षों के नीचे कई लताएँ पाई जाती हैं। इन वनों में एबोनी, रोजवुड, महोगनी, रबड़, जैकवुड, बाँस आदि प्रमुख वृक्ष हैं। अत: सही विकल्प (d) है।

15. मृदा संरक्षण के सन्दर्भ में निम्नलिखित प्रचलित पद्धतियों पर विचार कीजिये-

1. शस्यावर्तन (फसलों का हेरफेर)

2. बालू की बाड़

3. वेदिका निर्माण (टैरेसिंग)

4. वायुरोध

भारत में मृदा संरक्षण के लिये उपरोक्त में से कौन-सी विधियाँ उपयुक्त समझी जाती हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3 **(b) केवल 2 और 4**

(c) 1, 3 और 4 **(d) 1, 2, 3 और 4**

सही उत्तर: **(d)**

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

2017

1. पारिस्थितिक दृष्टिकोण से, पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में निम्नलिखित में से किसका महत्व अधिक है?

(a) सत्यामंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र (सत्यमंगलम टाइगर रिज़र्व)
(b) नल्लामला वन
(c) नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान
(d) शेषाचलम जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र (शेषाचलम बायोस्फीयर रिज़र्व)

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: सत्यमंगलम टाइगर रिज़र्व एरिया पश्चिमी घाट के साथ-साथ एक बाघ आरक्षित एवं सुरक्षित क्षेत्र है जो तमिलनाडु में अवस्थित है। इसे 2008 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में घोषित किया गया था। सत्यमंगलम फॉरेस्ट रेंज पश्चिमी घाट एवं पूर्वी घाट के मिलन स्थल पर अवस्थित नीलगिरी बायोस्फीयर रिज़र्व में अवस्थित एक वन्यजीव गलियारा है।

2. 'वाणिज्य में प्राणिजात और वनस्पति-जात के व्यापार-संबंधी विश्लेषण (ट्रेड रिलेटेड ऐनालिसिस ऑफ़ फौना ऐंड फ़्लोरा इन कॉमर्स/TRAFFIC)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. TRAFFIC संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अंतर्गत एक ब्यूरो है।
2. TRAFFIC का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि वन्य पादपों और जंतुओं के व्यापार से प्रकृति के संरक्षण को ख़तरा न हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**
(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1, न ही 2**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: ट्रैफिक एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) है, जो वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर) और इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) का एक संयुक्त कार्यक्रम है। यह संस्था वन्यजीव प्रजाति और फ्लोरा की लुप्तप्राय प्रजातियों के व्यापार पर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (CITES) के सचिवालय के साथ भी सहयोग करती है। ट्रैफिक, जो कि एक वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क है, जानवरों और पौधों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर निगरानी रखता है ताकि जैव विविधता संरक्षण और टिकाऊ विकास दोनों को बढ़ावा दिया जा सके।

3. प्रदूषण की समस्याओं का समाधान करने के संदर्भ में, जैवोपचारण (बायोरेमीडिएशन) तकनीक के कौन-सा/से लाभ है/हैं?

1. यह प्रकृति में घटित होने वाली जैवनिम्नीकरण प्रक्रिया का ही संवर्धन कर प्रदूषण को स्वच्छ करने की तकनीक है।
2. कैडमियम और लेड जैसी धातुओं से युक्त किसी भी संदूषक को सूक्ष्मजीवों के प्रयोग से जैवोपचारण द्वारा सहज ही और पूरी तरह उपचारित किया जा सकता है।
3. जैवोपचारण के लिए विशेषत: अभिकल्पित सूक्ष्मजीवों को सृजित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरी (जेनेटिक इंजीनियरिंग) का उपयोग किया जा सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: बायोरेमीडिएशन एक अपशिष्ट प्रबंधन तकनीक है जिसमें प्रदूषकों को अपघटित करने के लिये 'सूक्ष्मजीवों' का प्रयोग किया जाता है। प्रदूषकों को कम विषैले या गैर-विषैले पदार्थों में बदलने के लिये प्रयुक्त सूक्ष्मजीवों की क्षमता आनुवंशिक इंजीनियरिंग द्वारा बढ़ाई जा सकती है। हाल ही में कैडमियम व लेड जैसी भारी धातुओं को बायोरेमीडिएशन द्वारा अपघटित कर सकने वाले सूक्ष्मजीवों की खोज हुई है, परंतु अभी तक सभी भारी धातुओं का सहज एवं पूर्णत: बायोरेमीडिएशन संभव नहीं हो सका है। अत: उत्तर (c) सही है।

4. कुछ कारणों वश, यदि तितलियों की जाति (स्पीशीज़) की संख्या में बड़ी गिरावट होती है, तो इसका/इसके संभावित परिणाम क्या हो सकता/सकते है/हैं?

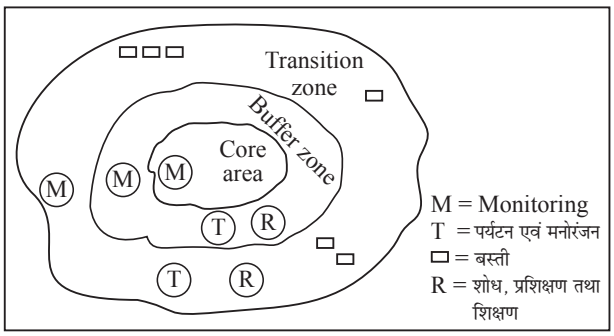
1. कुछ पौधों के परागण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
2. कुछ कृष्य पौद्यों में कवकीय संक्रमण प्रचण्ड रूप से बढ़ सकता है।
3. इसके कारण बर्रों, मकड़ियों और पक्षियों की कुछ प्रजातियों की समष्टि में गिरावट हो सकती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

- 1968 में हुई 'बायोस्फीयर कॉन्फ्रेंस' से इनका उदय हुआ। जिसके तहत UNESCO द्वारा 'मैन एंड बायोस्फीयर' प्रोग्राम (1971) चलाया जा रहा है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य उन क्षेत्रों का एक नेटवर्क तैयार करना है जो इस पृथ्वी के प्रमुख पारितंत्रों के प्रतिनिधि हैं तथा जिनमें जेनेरिक संसाधन सुरक्षित रखे जा सकते हैं। इन क्षेत्रों को बायोस्फीयर रिज़र्व नाम दिया गया है।
- बायोस्फीयर रिज़र्व के अंतर्गत निम्नलिखित 3 जोन आते हैं:
  1. **कोर जोन:** यह अनेक पौधों तथा जीव-जंतुओं से परिपूर्ण स्थल होता है। भारत में यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम द्वारा रेगुलेट होता है।
  2. **बफर जोन:** कोर जोन के बाहर यह ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ गतिविधियों को इस प्रकार नियंत्रित किया जाता है कि कोर जोन को नुकसान न हो। इन गतिविधियों में नियंत्रित रूप से पर्यटन, मछली पकड़ना, चराई आदि को अनुमति प्रदान की जाती है।
  3. **ट्रांजीशन जोन:** यह बायोस्फीयर रिज़र्व का बाहरी भाग होता है। इसका सीमांकन नहीं किया जाता है। इसमें संरक्षण तथा प्रबंधन स्किल का उपयोग कर संसाधनों के धारणीय विकास पर बल दिया जाता है। मानव बस्तियाँ, कृषि, मनोरंजन तथा अन्य आर्थिक क्रियाएँ इस क्षेत्र की पहचान हैं।
- भारत में बायोस्फीयर रिज़र्वों की स्थापना को मंजूरी वर्ष 1983 में मिली। जिसके तहत अब तक 18 बायोस्फीयर रिज़र्व को मान्यता दी गई है। हालाँकि, UNESCO के बायोस्फीयर रिज़र्व के नेटवर्क में 10 को ही जगह मिल पाई है।



5. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-

1. दाम्पा टाइगर रिज़र्व	**-**	**मिज़ोरम**
2. गुमटी वन्य जीव अभयारण्य	**-**	**सिक्किम**
3. सारामती शिखर	**-**	**नागालैण्ड**

उपरोक्त युग्मों में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपरोक्त सभी।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- **दाम्पा (दाम्फा) टाइगर रिज़र्व:** इसको वर्ष 1994 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत टाइगर रिज़र्व का दर्ज़ा प्रदान किया गया। यह मिज़ोरम राज्य के पश्चिमी भाग में अवस्थित है, यहाँ उष्णकटिबंधीय वनों में प्रचुर मात्रा में वनस्पति एवं प्राणी जैव-विविधता पाई जाती है।
- **गुमटी वन्य जीव अभयारण्य:** त्रिपुरा राज्य के दक्षिणी त्रिपुरा ज़िले में विस्तारित है। यहाँ एक बड़ी झील भी है, यहाँ के प्राकृतिक वातावरण में कोई विशेष छेड़छाड़ नहीं हुई है तथा यह कई घरेलू एवं प्रवासी पक्षियों का निवास-स्थल है।
- **सारामती शिखर:** नागालैंड राज्य में म्याँमार की सीमा से संलग्न भाग में स्थित है। इसकी ऊँचाई 3826 मीटर है। सारामती शिखर नागालैण्ड की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है।

6. 'वेटलैंड्स इंटरनेशनल' नामक संरक्षण संगठन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह रामसर अभिसमय के हस्ताक्षरकर्त्ता देशों द्वारा बनाया गया एक अन्त:सरकारी संगठन है।
2. यह ज्ञान के विकास और संग्रहण के लिये तथा व्यावहारिक अनुभव का बेहतर नीतियों हेतु पक्ष- समर्थन करने के लिये क्षेत्र स्तर पर कार्य करता है।

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: वेटलैंड्स इंटरनेशनल, आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन को समर्पित एक स्वतंत्र एवं विश्वस्तरीय **गैर लाभकारी संगठन (NGO)** है। इसका मुख्यालय नीदरलैंड में है। इसकी स्थापना 1937 में 'इंटरनेशनल वाइल्डफाउल इंक्वायरी' (International Wildfowl Enquiry) के नाम से की गई थी तथा 1996 में वेटलैंड्स इंटरनेशनल के रूप में नामित हुआ, जबकि रामसर अभिसमय 1971 में हस्ताक्षरित किया गया था। वेटलैंड्स इंटरनेशनल इस संस्थान के साथ साझेदारी (Partnership) में कार्य करता है न कि रामसर अभिसमय द्वारा सृजित संस्था है। अत: कथन 1 गलत है।

- यह संगठन ज़मीनी स्तर (Field level) पर जाकर आर्द्रभूमियों से संबंधित सूचनाओं एवं आँकड़ों को जुटाता है, उन सूचनाओं को प्रसंस्कृत (Processed) करता है तथा सरकार को आर्द्र भूमियों के संरक्षण संबंधी बेहतर योजनाओं के निर्माण एवं कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करता है।
- यह संगठन सरकार, निजी दानदाताओं तथा कुछ गैर सरकारी संगठनों (NGOs) द्वारा परियोजना आधारित (Project Basis) निधि प्राप्त करता है।

(d) यह विभिन्न देशों द्वारा बिक्रीत कार्बन क्रेडिटों के परिणाम दिखाने वाला सूचकांक है।

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: ग्रीनडेक्स स्कोर विभिन्न देशों में पर्यावरणीय रूप से धारणीय उपभोक्ता व्यवहार का मापक है। इसके निर्धारण के लिये विभिन्न देशों के हज़ारों उपभोक्ताओं से उनके ऊर्जा उपयोग, परिवहन के साधनों का चयन, खाद्य स्रोत, पर्यावरण एवं धारणीयता के संबंध में व्यवहार एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर ज्ञान आदि के बारे में सवाल पूछे जाते हैं एवं इनके आधार पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा यह स्कोर तैयार किया जाता है। नवीनतम ग्रीनडेक्स रिपोर्ट, 2014 में भी भारत को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। इसका स्कोर 61.4 है।

इसमें मुख्य रूप से भोजन, वस्तु, मकान, परिवहन मानक के आधार पर स्कोर किया जाता है। भारत में 57% लोग पर्यावरण प्रतिकूल उत्पादों का प्रयोग नहीं करते हैं। भारत में 44 प्रतिशत लोग ऑर्गेनिक/प्राकृतिक भोजन उपभोग करते हैं तथा 46 प्रतिशत घरों में ऊर्जा की बचत वाले रेफ्रीजरेटर प्रयोग में लाए जाते हैं। इसके अलावा 60 प्रतिशत लोग परिवहन के लिये पैदल या साइकिल का प्रयोग करते हैं।

10. वर्तमान में और आसन्न भविष्य में वैश्विक तापन के प्रशमन में भारत की संभावित रूप से क्या सीमाएँ हैं?

1. उचित वैकल्पिक प्रौद्योगिकियाँ पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

2. भारत अनुसंधान और विकास में विशाल धनराशि का निवेश नहीं कर सकता।

3. अनेक विकसित देशों ने भारत में पहले ही प्रदूषण फैलाने वाले अपने उद्योग स्थापित कर रखे हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 **(b) केवल 2**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या:

- भारत के पास वैश्विक तापन से निपटने के लिये पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा तकनीक नहीं है। अत: कथन 1 सही है।
- वर्तमान में भारत की प्राथमिकता गरीबी उन्मूलन एवं कल्याण और आधारभूत संरचना विकास है। भारत अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त धनराशि का निवेश नहीं कर पा रहा है। अत: कथन 2 सही है।

11. परिवेशीय वातावरण में पाए जाने वाले निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. कालिख

2. सल्फर हेक्साफ्लुओराइड

3. जलवाष्प

उपर्युक्त में से कौन-सा वातावरण तापन में योगदानकर्त्ता है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 **(b) केवल 3**

(c) केवल 2 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: कालिख, सल्फर हेक्साफ्लुओराइड एवं जलवाष्प तीनों ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न करते हैं। अत: ये तीनों वातावरणीय तापन में योगदानकर्त्ता हैं। कालिख जो अधिकतर डीजल इंजन या ईंधनों के जलाने से निकलता हो, CO_2 की वसावरण में वृद्धि करता है जो वैश्विक उष्मा में वृद्धि करता है।

12. किसी एक आहार फसल पर क्लोरीनीकृत हाइड्रोकार्बन पीड़कनाशी का छिड़काव किया जाता है। आहार शृंखला का क्रम है-आहार फसल-मूषक-सर्प-बाज। इस आहार शृंखला में पीड़कनाशी की अधिकतम सान्द्रता निम्नलिखित में से किसमें संचित होगी?

(a) आहार फसल **(b) मूषक**

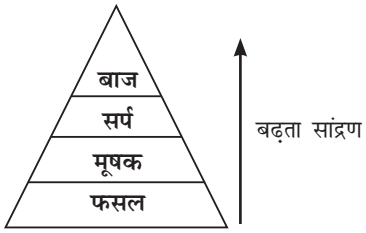
(c) सर्प **(d) बाज**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या:

जैव आवर्द्धन

- वह प्रक्रिया, जिसके द्वारा अजैवनिम्नीकरणीय (Nonbiodegradable) पदार्थों का सांद्रण खाद्य शृंखला के उच्च स्तर के जीवों में बढ़ता जाता है, उसे जैव आवर्द्धन (Biomagnification) कहते हैं।
- चूँकि क्लोरीनीकृत हाइड्रोकार्बन एक अजैवनिम्नीकरणीय पदार्थ है। अत: इसका सांद्रण खाद्य शृंखला के सर्वोच्च जीव बाज में अधिकतम होगा।



आर्थिक और सामाजिक विकास

2017

1. 'पूर्व अधिगम की मान्यता स्कीम (रिकग्निशन ऑफ़ प्रायर लर्निंग स्कीम)' का कभी-कभी समाचारों में किस संदर्भ में उल्लेख किया जाता है?

(a) निर्माण कार्य में लगे कर्मकारों के पारंपरिक मार्गों से अर्जित कौशल का प्रमाणन

(b) दूरस्थ अधिगम कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालयों में व्यक्तियों को पंजीकृत करना।

(c) सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उपक्रमों में ग्रामीण और नगरीय निर्धन लोगों के लिए कुछ कुशल कार्य आरक्षित करना

(d) राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के अधीन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अर्जित कौशल का प्रमाणन

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: यह योजना देश के कई राज्यों मे चल रही है जिसमें निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों द्वारा पारंपरिक शिक्षण माध्यमों से अर्जित कौशल को प्रमाणित किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय तथा कौशल विकास मंत्रालय ने इन राज्यों में 200 से अधिक श्रमिकों वाले निर्माण स्थलों पर ध्यान केंद्रित किया है।

2. निम्नलिखित में से कौन, विश्व के देशों के लिए 'सार्वभौम लैंगिक अंतराल सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स)' का श्रेणीकरण प्रदान करता है?

(a) विश्व आर्थिक मंच

(b) UN मानव अधिकार परिषद्

(c) UN वूमन

(d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट पहली बार 2006 में विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा प्रकाशित की गई थी। 2016 की रिपोर्ट में 144 प्रमुख और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स लैंगिक समानता को मापने के लिये डिज़ाइन किया गया सूचकांक है।

3. स्मार्ट इण्डिया हैकथॉन 2017 के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह हमारे देश के प्रत्येक शहर को एक दशक में स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित एक स्कीम है।

2. यह हमारे देश की अनेक समस्याओं का समाधान करने के लिए नई डिजिटल प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तनों के अभिज्ञान की एक पहल है।

3. यह एक कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य एक दशक में हमारे देश में सभी वित्तीय लेन-देनों को पूरी तरह से डिजिटल करना है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

(a) केवल 1 और 3 **(b) केवल 2**

(c) केवल 3 **(d) केवल 2 और 3**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2017' एक नॉनस्टॉप डिजिटल प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता है जिसका आयोजन लगातार 36 घंटों तक हुआ। इसमें एक साथ भारत के 33 स्थानों से विभिन्न टीमों ने भागीदारी की, जिसमें देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिये डिजिटल और टिकाऊ नवाचारी समाधान उपलब्ध कराए गए।

4. मौद्रिक नीति समिति (मोनेटरी पॉलिसी कमिटी/MPC)के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. यह RBI की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों का निर्धारण करती है।

2. यह एक 12 सदस्यीय निकाय है जिसमें RBI का गवर्नर शामिल है तथा प्रत्येक वर्ष इसका पुनर्गठन किया जाता है।

3. यह केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में कार्य करती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 1 और 2**

(c) केवल 3 **(d) केवल 2 और 3**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: मौद्रिक नीति समिति (MPC) केंद्रीय बैंक की एक समिति है जिसका नेतृत्व आर.बी.आई. के गवर्नर द्वारा किया जाता है। इसे RBI अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य बेंचमार्क नीति दर (रेपो रेट) तय करना है ताकि मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सके। एम.पी.सी. के छः सदस्य होंगे।

5. 1929 का व्यापार विवाद अधिनियम (ट्रेड डिस्प्यूट्स ऐक्ट) निम्नलिखित में से किसका उपबंध करता है?

(a) उद्योगों के प्रबंधन में कामगारों की भागीदारी

(b) औद्योगिक झगड़ों के दमन के लिए प्रबंधन के पास मनमानी करने की शक्ति

- यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, प्रैक्टिसनरों तथा अन्य हितधारकों के सहयोगात्मक समुदाय के माध्यम से ज्ञान, नवाचार और उद्यमशीलता सहायक प्रणाली बनाएगा।

नियुक्तियाँ

अध्यक्ष : प्रधानमंत्री

उपाध्यक्ष : अरविंद पनगढ़िया

पूर्णकालिक सदस्य : विवेक देबरॉय (अर्थशास्त्री), डॉ. वी.के सारस्वत (पूर्व DRDO प्रमुख)

- पदेन सदस्य : राजनाथ सिंह, अरुण जेटली, सुरेश प्रभु, राधामोहन सिंह (सभी केंद्रीय मंत्री)
- विशेष आमंत्रित सदस्य : नितिन गडकरी, थावरचन्द गहलोत, स्मृति जुबीन ईरानी (सभी केंद्रीय मंत्री)
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) : अमिताभ कांत

2014

1. संघ के बजट के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से गैर-योजना व्यय के अधीन आता है/आते हैं?

1. रक्षा व्यय **2. ब्याज अदायगी**
3. वेतन एवं पेंशन **4. उपदान**

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2, 3 और 4
(d) कोई नहीं।

सही उत्तर: (c)

व्याख्या: योजनागत व्यय के अलावा सभी व्यय जो सरकार की सामान्य, सामाजिक तथा आर्थिक सेवाओं से संबंधित होते हैं, वे गैर-योजनागत व्यय कहलाते हैं। बजट 2016-17 के आयोजना भिन्न व्यय नामक खंड में निम्नांकित को गैर-योजनागत व्यय के रूप में वर्णित किया गया है-

- ब्याज संबंधी अदायगियाँ और ऋण शोधन
- रक्षा
- मुख्य सब्सिडियाँ (उर्वरक सब्सिडी, आयातित (यूरिया) उर्वरक, पेट्रोलियम सब्सिडी, खाद्य सब्सिडी, ब्याज सब्सिडियाँ तथा हज सब्सिडी आदि।
- राज्यों को राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया निधि (NDRF) से सहायता।
- डाक संबंधी घाटा, वेतन तथा पेंशन।
- शिक्षा, चिकित्सा, जन स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं पर व्यय। पुलिस और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रकों में व्यय।
- विदेशी सरकारों को अनुदान।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' नामक प्रकाशन प्रकाशित करता है?

(a) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(b) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
(c) विश्व आर्थिक फोरम
(d) विश्व बैंक

सही उत्तर: (a)

व्याख्या: 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक प्रकाशन है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रत्येक वर्ष अप्रैल और सितंबर/अक्तूबर माह में जारी किया जाता है। इसमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक घटनाओं व स्थितियों के बारे में आकलन किया जाता है और समष्टि आर्थिक आँकड़े (Macro Economic Data) प्रस्तुत किये जाते हैं। आईएमएफ की तरफ से ये आँकड़े 1980 से अब तक जारी किये जा रहे हैं। कुछ अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रकाशन व उनको जारी करने वाले संस्थान/संगठन निम्नवत् हैं:

- ग्लोबल फाइनेन्सियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट : आई.एम.एफ.
- फिस्कल मॉनिटर : आई.एम.एफ.
- ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट : विश्व आर्थिक फोरम
- ग्लोबल कॉम्पिटेटिवनेस रिपोर्ट : विश्व आर्थिक फोरम
- वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट : विश्व बैंक
- ग्लोबल ट्रेंड्स इन रिन्यूएबल एनर्जी : यूनेप (UNEP)
- ऑवर प्लैनेट : यूनेप
- ग्लोबल बायोडाइवर्सिटी आउटलुक : यूनेप व सीबीडी
- ग्रीन इकोनॉमी रिपोर्ट : यूनेप
- वर्ल्ड इनवेस्टमेंट रिपोर्ट : अंकटाड (1991 से)
- ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट : विश्व बैंक
- ग्लोबल मॉनीटरिंग रिपोर्ट : विश्व बैंक
- वर्ल्ड ट्रेड रिपोर्ट : डब्ल्यू.टी.ओ.
- इंटरनेशनल ट्रेड स्टैटिस्टिक्स : डब्ल्यू.टी.ओ.
- ग्लोबल इनवायरनमेंट आउटलुक : यूनेप
- वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक : अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा आयोग
- मिलेनियम डेवलपमेंट गोल रिपोर्ट : यूएनडीपी
- ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट : यूएनडीपी
- ग्लोबल रिपोर्ट ऑन ह्यूमन सेटलमेंट : यू.एन. हैबिटेट

3. भारत की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के संदर्भ में विभिन्न फसलों की 'बीज प्रतिस्थापन दरों' को बढ़ाने से भविष्य के खाद्य उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है। किन्तु इसके अपेक्षाकृत बड़े/विस्तृत कार्यान्वयन में क्या बाध्यता है/बाध्यताएँ हैं?

1. कोई भी राष्ट्रीय बीज नीति नहीं बनी है।

सामान्य विज्ञान

भौतिक विज्ञान

2017

1. कभी-कभी समाचारों में 'इवेंट होराइजन' 'सिंगुलैरिटी, 'स्ट्रिंग थियरी' और 'स्टैण्डर्ड मॉडल जैसे शब्द, किस संदर्भ में आते हैं?

(a) ब्रह्माण्ड का प्रेक्षण और बोध
(b) सूर्य और चन्द्र गहणों का अध्ययन
(c) पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों का स्थापन
(d) पृथ्वी पर जीवित जीवों की उत्पत्ति और क्रमविकास

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: 'इवेंट होराइज़ोन' ब्लैक होल से संबंधित है। 'सिंगुलैरिटी', स्पेस टाइम में एक ऐसा स्थान है जहाँ खगोलीय पिंड का गुरुत्वीय क्षेत्र अनंत हो जाता है। 'स्ट्रिंग थियोरी' एकविमीय वस्तुओं के अंतरिक्ष में गमन को बताती है।

'स्टैंडर्ड मॉडल' पार्टिकल फिजिक्स का एक सिद्धांत है जो यूनिवर्स के चार फंडामेंटल फोर्स के बारे में चर्चा करता है। अत: विकल्प (a) सही है।

2. कार्बनिक प्रकाश उत्सर्जी डायोड (ऑर्गेनिक लाइट एमिटिंग डायोड/OLED) का उपयोग बहुत से साधनों में अंकीय प्रदर्श (डिजिटल डिस्प्ले) सर्जित करने के लिए किया जाता है। द्रव क्रिस्टल प्रदर्शों की तुलना में OLED प्रदर्श किस प्रकार लाभकारी हैं?

1. OLED प्रदर्श नम्य प्लास्टिक अवस्तरों पर संविरचित किए जा सकते हैं।
2. OLED के प्रयोग से, वस्त्र में अंत:स्थापित उपरिवेल्लनीय प्रदर्श (रोल्ड-अप डिस्प्ले) बनाए जा सकते हैं।
3. OLED के प्रयोग से, पारदर्शी प्रदर्श संभव हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 3 **(b) केवल 2**
(c) 1, 2 और 3
(d) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: ओएलईडी तकनीक का व्यावसायिक प्रयोग मोबाइल फोन, पोर्टेबल डिजिटल मीडिया प्लेयर्स, कार रेडियो और डिजिटल कैमरों में किया जाता है। यह रोल करने योग्य डिस्प्ले से बना होता है जो कि ओएलईडी की अद्वितीय विशेषता है। ओएलईडी डिस्प्ले लचीले प्लास्टिक सब्स्ट्रेट्स पर निर्मित किया जा सकता है, जिसके कारण अन्य नए अनुप्रयोगों के लिये लचीले कार्बनिक प्रकाश उत्सर्जक डायोड का निर्माण संभव होता है, जैसे- कपड़ों में अंत:स्थापित रोल्ड अप डिस्प्ले। पारदर्शी ओएलईडी उपकरण बनाने के लिये उपकरण के दोनों ओर पारदर्शी या अर्द्धपारदर्शी संपर्क का उपयोग करते हैं।

2015

1. आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के संदर्भ में, हाल ही में समाचारों में आए दक्षिणी ध्रुव पर स्थित एक कण संसूचक (पार्टिकल डिटेक्टर) 'आइसक्यूब' (Ice cube) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह विश्व का सबसे बड़ा बर्फ में एक घन किलोमीटर घेरे वाला, न्यूट्रिनो संसूचक (न्यूट्रिनो डिटेक्टर) है।
2. यह डार्क मैटर (Dark matter) की खोज के लिये बनी शक्तिशाली दूरबीन है।
3. यह बर्फ में गहराई में दबा हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या:

- आइसक्यूब (Ice Cube) दुनिया का सबसे बड़ा न्यूट्रिनो टेलिस्कोप (Telescope) है जिसे अंटार्कटिका की जमी बर्फ (दक्षिणी ध्रुव) की गहराई में लगभग 2500 मीटर नीचे लगाया गया है।
- यह डार्क मैटर को खोजने का प्रभावी उपकरण है तथा यह भौतिक प्रकृति में उच्च ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो कणों (Neutrino Particles) के रहस्यपूर्ण उद्भव की प्रक्रियाओं को स्पष्ट कर सकता है।
- यह एक प्रकार का न्यूट्रिनो कण संसूचक (Neutrino Detector) है। ये कण आवेशरहित तथा न्यूनतम भार वाले होते हैं।
- न्यूट्रिनो कणों का उत्सर्जन अंतरिक्ष में तारों के विस्फोट, सूर्य में होने वाली नाभिकीय संलयन अभिक्रिया, कॉस्मिक किरणों के पृथ्वी के वायुमंडल में उपस्थित परमाणुओं के नाभिकों से टकराने आदि से होता है।

प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के दौरान उत्पन्न हुए कार्बनिक पदार्थों के संचरण के लिये आवश्यक होता है।

- अत: जब वृक्ष की छाल आधार के पास चारों तरफ से हटा दी जाती है, तो पत्तियों में निर्मित कार्बनिक पदार्थ, वृक्ष की जड़ों तक नहीं पहुँच पाता है तथा वृक्ष धीरे-धीरे सूख जाता है।

4. एक विवाहित दम्पति ने एक बालक को गोद लिया। इसके कुछ वर्ष उपरान्त उन्हें जुड़वाँ पुत्र हुए। दम्पति में एक का रक्त वर्ग AB पॉजीटिव है और दूसरे का O निगेटिव है। तीनों पुत्रों में से एक का रक्त वर्ग A पॉजीटिव, दूसरे का B पॉजीटिव और तीसरे का O पॉजीटिव है। गोद लिये गए पुत्र का रक्त वर्ग कौन-सा है?

(a) O पॉजीटिव

(b) A पॉजीटिव

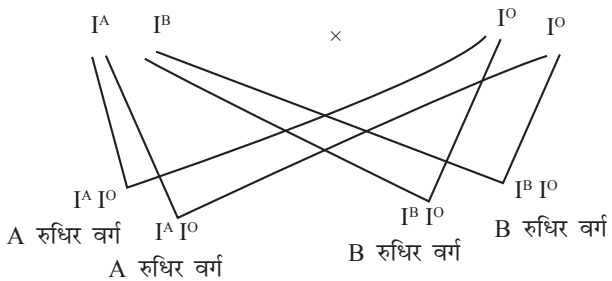
(c) B पॉजीटिव

(d) उपलब्ध जानकारी के आधार पर कहा नहीं जा सकता

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या:

- यदि माता का रुधिर वर्ग AB पॉजीटिव है तो माता का जीनोटाइप $I^A I^B$ होगा।
- यदि पिता का रुधिर वर्ग O निगेटिव है तो पिता का जीनोटाइप $I^O I^O$ होगा।



(क्योंकि A, O पर प्रभावी है) (क्योंकि B, O पर प्रभावी है)

- अत: यदि माता और पिता का रुधिर वर्ग (Blood Group) क्रमश: AB पॉजीटिव तथा O निगेटिव है तो इनके द्वारा उत्पन्न संतानों का रुधिर वर्ग क्रमश: A तथा B होगा इनके जैविक पुत्रों का रक्त वर्ग O तथा AB नहीं हो सकते हैं।
- अत: इस विवाहित दम्पति द्वारा गोद ली गई संतान का रक्त वर्ग (Blood Group) (O-Positive) होगा।

5. बाजार में बिकने वाला ऐस्परटेम (Aspartame) कृत्रिम मधुरक है। यह एमीनो अम्लों से बना होता है और अन्य एमीनो अम्लों के समान ही कैलोरी प्रदान करता है, फिर भी यह भोज्य पदार्थों में कम कैलोरी मधुरक के रूप में इस्तेमाल होता है। इसके इस इस्तेमाल का क्या आधार है?

(a) ऐस्परटेम सामान्य चीनी जितना ही मीठा होता है, किंतु चीनी के विपरीत यह मानव शरीर में आवश्यक एंजाइमों के अभाव के कारण शीघ्र ऑक्सीकृत नहीं हो पाता।

(b) जब ऐस्परटेम आहार प्रसंस्करण में प्रयुक्त होता है, तब उसका मीठा स्वाद तो बना रहता है, किंतु यह ऑक्सीकरण-प्रतिरोधी हो जाता है।

(c) ऐस्परटेम चीनी जितना ही मीठा होता है, किंतु शरीर में अन्तर्ग्रहण होने के बाद यह कुछ ऐसे उपापचयों (मेटाबोलाइट्स) में परिवर्तित हो जाता है, जो कोई कैलोरी नहीं देते।

(d) ऐस्परटेम सामान्य चीनी से कई गुना अधिक मीठा होता है, अत: थोड़े से ऐस्परटेम में बने भोज्य पदार्थ ऑक्सीकृत होने पर कम कैलोरी प्रदान करते हैं।

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या:

ऐस्परटेम

- ऐस्परटेम (Aspartame) एक कृत्रिम मिठास पैदा करने वाला पदार्थ है, जिसका प्रयोग चीनी के विकल्प के रूप में किया जाता है।
- ऐस्परटेम एस्पारटिक एसिड का मिथाइल इस्टर है। इसका रासायनिक सूत्र ($C_{14} H_{18} N_2 O_5$) है।
- ऐस्परटेम चीनी से लगभग 200 गुना अधिक मीठा होता है। ऐस्परटेम के उपापचय होने से 4 किलो कैलोरी ऊर्जा प्रति ग्राम विमुक्त होती है। चूँकि मीठा स्वाद पैदा करने के लिये काफी कम मात्रा में ऐस्परटेम की आवश्यकता होती है, इसलिये विमुक्त कैलोरी की मात्रा नगण्य होती है।

6. आहार-उत्पादों के विक्रय में जुटी एक कंपनी यह विज्ञापित करती है कि उसके उत्पादों में ट्रांस-वसा (ट्रांसफैट्स) नहीं होती। उसके इस अभियान का उपभोक्ताओं के लिये क्या अभिप्राय है?

1. कंपनी के आहार उत्पाद हाइड्रोजनीकृत तेलों से नहीं निर्मित किये जाते।

2. कंपनी के आहार उत्पाद पशु उत्पन्न वसा/तेलों से नहीं निर्मित किये जाते।

3. कंपनी के द्वारा प्रयुक्त तेल संभवतया उपभोक्ताओं के हृद्वाहिका स्वास्थ्य को क्षति नहीं पहुँचाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- 'ट्रांस वसा' वसा का एक प्रकार है, जो तेल के हाइड्रोजनीकरण से निर्मित होता है। इसमें **वनस्पति तेल** को हाइड्रोजन की उपस्थिति

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

2017

1. भारत में कृषि के संदर्भ में, प्राय: समाचारों में आने वाले 'जीनोम अनुक्रमण (जीनोम सीक्वेंसिंग) की तकनीक का आसन्न भविष्य में किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है?

1. विभिन्न फसली पौधों में रोग प्रतिरोध और सूखा सहिष्णुता के लिए आनुवंशिक सूचकों का अभिज्ञान करने के लिए जीनोम अनुक्रमण का उपयोग किया जा सकता है।

2. यह तकनीक, फसली पौधों की नई किस्मों को विकसित करने में लगने वाले आवश्यक समय को घटाने में मदद करती है।

3. इसका प्रयोग, फ़सलों में पोषी-रोगाणु संबंधों को समझने के लिए किया जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: जीनोम अनुक्रमण से तात्पर्य है 'किसी प्रजाति के जीन पूल में उपस्थित समस्त क्षारों का विश्लेषण।' कृषि के क्षेत्र में जीनोम अनुक्रमण तकनीक की मदद से उन जीनों का पता लगाया जा सकता है जो पौधे को रोग प्रतिरोधी, सूखा सहन करने आदि में सक्षम बनाते हैं। इस तकनीक की मदद से फसलों की नई किस्मों का विकास काफी तेज़ी से किया जा सकता है। साथ ही, इसके अनुप्रयोग से पोवी-रोगाणु संबंधों को समझने में भी आसानी होगी। अत: उपरोक्त तीनों कथन सही हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

सामान्यत: प्रयुक्त/ उपभुक्त पदार्थ		उनमें पाए जाने वाले संभावित अवांछनीय अथवा विवादास्पद रसायन
1. लिपस्टिक	-	सीसा
2. शीतल पेय	-	बोमीनित वनस्पति तेल
3. चाइनीज़ फास्ट फूड	-	मोनोसोडियम ग्लूटामेट

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**

(c) केवल 1 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: लिपस्टिक में सीसा (LED), शीतल पेय में ब्रोमीनित वनस्पति तेल और चाइनीज फास्डफूड में मोनोसोडियम ग्लूटामेट पाया जाता है। अत: तीनों युग्म सही सुमेलित हैं। अत: विकल्प (d) सही है।

3. भारत में, साइबर सुरक्षा घटनाओं पर रिपोर्ट करना निम्नलिखित में से किसके/किनके लिए विधित: अधिदेशात्मक है/हैं?

1. सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर)

2. डेटा सेंटर

3. कॉर्पोरेट निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट)

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 **(b) केवल 1 और 2**

(c) केवल 3 **(d) 1, 2, और 3**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2013 जारी किया था। सीईआरटी नियम सेवादाताओं, मध्यस्थों, डेटा केंद्रों और बॉडी निगमों पर साइबर घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिये एक दायित्व लगाता है। अत: विकल्प (d) सही है।

4. 'विकसित लेज़र व्यक्तिकरणमापी अंतरिक्ष ऐन्टेना (इवॉल्वड लेज़र इंटरफेरोमीटर स्पेस ऐंटेना/eLISA)' परियोजना का क्या प्रयोजन है?

(a) न्यूट्रिनों का संसूचन करना

(b) गुरुत्वीय तरंगों का संसूचन करना

(c) प्रक्षेपणास्त्र रक्षा प्रणाली की प्रभावकारिता का संसूचन करना

(d) हमारी संचार प्रणालियों पर सौर प्रज्वाल (सोलर फ्लेयर) के प्रभाव का अध्ययन करना

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: विकसित लेज़र व्यतिकरणमापी अंतरिक्ष एंटीना परियोजना का उद्देश्य गुरुत्वीय तरंगों का संसूचन करना है। अत: विकल्प (b) सही है।

5. कायिक कोशिका न्यूक्लीय अंतरण प्रौद्योगिकी (सोमैटिक सेल न्यूक्लियर ट्रान्सफ़र टेक्नोलॉजी) का अनुप्रयोग क्या है?

(a) जैव-डिम्भनाशी का उत्पादन

(b) जैव- निम्नीकरणीय प्लास्टिक का निर्माण

(c) जंतुओं की जननीय क्लोनिंग

(d) रोग मुक्त जीवों का उत्पादन

सही उत्तर: **(c)**

2014

1. अग्नि-IV प्रक्षेपास्त्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. यह धरातल-से-धरातल पर मार करने वाला प्रक्षेपास्त्र है।
2. इसमें केवल द्रव नोदक ईंधन के रूप में इस्तेमाल होता है।
3. यह एक टन नाभिकीय वारहेड को 7500 किमी. दूरी तक फेंक सकता है।

कूट:

(a) केवल 1 **(b) केवल 2 और 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) उपरोक्त सभी।**

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: अग्नि-IV अग्नि शृंखला की चौथी मिसाइल है जिसे 'अग्नि-III प्राइम' के नाम से जाना जाता है। इसकी मारक क्षमता 2500-3500 किलोमीटर तक है। यह 1 टन के वारहेड को वहन कर सकती है। यह दो चरणों वाली मिसाइल है तथा इसमें ठोस ईंधन का प्रयोग किया जाता है। इसे सड़क मोबाइल लॉन्चर (Road Mobile Launcher) से दागा जा सकता है।

अग्नि सतह-से-सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (Ballistic Missile) है तथा यह पारम्परिक और परमाणु आयुधों को ले जाने की क्षमता रखती है। अग्नि प्रक्षेपास्त्र के विभिन्न संस्करण निम्नलिखित हैं-

- **अग्नि-I:** इसकी मारक क्षमता 700-1250 किलोमीटर है। अग्नि-I में एएसएलवी-4 रॉकेट का प्रयोग किया गया है, जिसके प्रथम चरण में ठोस एवं दूसरे चरण में तरल ईंधन का प्रयोग किया गया है।
- **अग्नि-II:** यह भारत द्वारा स्वदेशी तकनीक से विकसित मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 2500 किलोमीटर से भी अधिक है। इस प्रक्षेपास्त्र को पहली बार चल प्रक्षेपण यान (Mobile Launch Vehicle) से प्रक्षेपित किया गया है। अत: परिवहनशीलता के कारण इसे कहीं भी ले जाया जा सकता है।
- **अग्नि-III:** यह भारत द्वारा विकसित लंबी दूरी का बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र है। इसकी मारक क्षमता 3500 किलोमीटर है तथा यह प्रक्षेपास्त्र परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। आवश्यकता पड़ने पर इसकी मारक क्षमता को 5000 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है।
- **अग्नि-V:** इसका परीक्षण हो जाने से भारत अंतर्महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM–Inter Continental Ballistic Missile) वाला राष्ट्र बन गया है। इसकी मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।
- अग्नि-1, MRBM (मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल) श्रेणी की है। अग्नि-II, अग्नि-III, अग्नि-IV IRBM (इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल) श्रेणी की हैं। जबकि अग्नि-V व अग्नि-VI ICBM (इंटरकंटीनेन्टल बैलिस्टिक मिसाइल) श्रेणी की हैं।
- **अग्नि-VI:** ICBM श्रेणी का प्रक्षेपास्त्र है। यह चार चरण वाली ठोस ईंधन तकनीक से युक्त है। यह प्रक्षेपास्त्र 3 टन के वारहेड के साथ 8000 किमी. की दूरी तक मार कर सकता है।

2. विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण में उद्योग द्वारा प्रयुक्त होने वाले कुछ रासायनिक तत्त्वों के नैनो-कणों के बारे में कुछ चिंता है। क्यों?

1. वे पर्यावरण में संचित हो सकते हैं तथा जल और मृदा को संदूषित कर सकते हैं।
2. वे खाद्य शृंखलाओं में प्रविष्ट हो सकते हैं।
3. वे मुक्त मूलकों के उत्पादन को विमोचित कर सकते हैं।

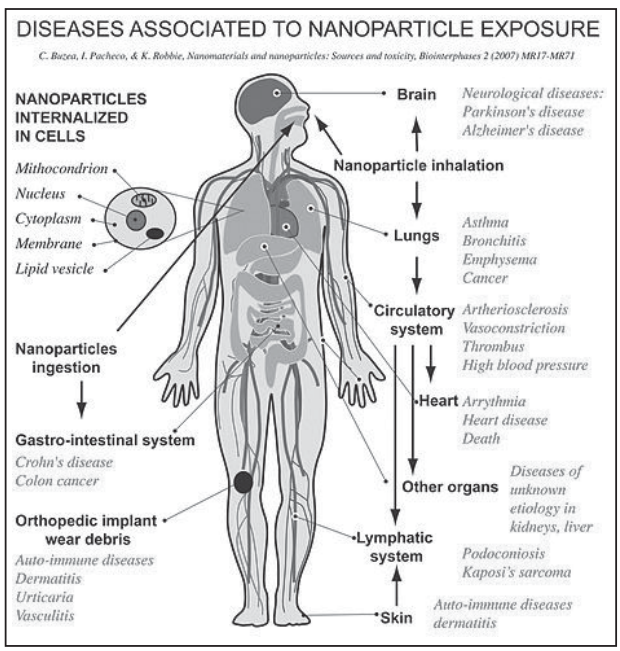
कूट:

(a) केवल 1 और 2 **(b) केवल 3**
(c) केवल 1 और 3 **(d) उपरोक्त सभी।**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या:

- नैनो पदार्थ/कण (Nano Matter) ऐसे पदार्थ होते हैं जिनके संरचनात्मक घटक 100 नैनो मीटर से कम आयाम रखते हैं। नैनो पदार्थ एक आयामी से लेकर बहुआयामी तक बनाए जा सकते हैं। दो आयामी नैनो पदार्थों में नैनो तार (Nano Wires), अजैविक नैनो ट्यूब आदि शामिल हैं।
- प्रकृति में भी व्यापक रूप में पाए जाते हैं, जैसे- फोटोरासायनिक तथा ज्वालामुखी क्रियाशीलता के उत्पादों के रूप में या पौधे, शैवालों द्वारा निर्मित उत्पादों के रूप में इन नैनो कणों का प्रयोग विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण में किया जाता है।



विविध

2017

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. परमाणु सुरक्षा शिखर-सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में आवधिक रूप से किए जाते हैं।

2. विखंडनीय सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय पैनल अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण का एक अंग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: विखंडनीय सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय पैनल अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा का अभिकरण नहीं अपितु एक स्वतंत्र संस्था है। यह गैर-परमाणु और परमाणु संपन्न दोनों राज्यों के शस्त्र-नियंत्रण और अप्रसार विशेषज्ञों का समूह है। इसकी स्थापना जनवरी 2006 में हुई।

2009 में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने परमाणु शिखर सम्मेलन का विचार रखा और 2010 में वाशिंगटन में पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में नहीं होता। इसमें शामिल होने वाले देश वाशिंगटन वर्क प्लान के आधार पर अपनी परमाणु सुरक्षा को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

2. हिंद महासागर नौसैनिक परिसंवाद (सिंपोज़ियम) (IONS) के संबंध में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. प्रारंभी (इनॉगुरल) IONS भारत में 2015 में भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में हुआ था।

2. IONS एक स्वैच्छिक पहल है जो हिंद महासागर क्षेत्र के समुद्रतटवर्ती देशों (स्टेट्स) की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाना चाहता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या:

- हिन्द महासागर नौसैनिक परिसंवाद (IONS) एक स्वैच्छिक पहल है जो हिन्द महासागर क्षेत्र के समुद्रतटवर्ती देशों की नौ-सेनाओं के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देती है।
- IONS का शुभारंभ 2008 में नई दिल्ली में हुआ।

अत: विकल्प (b) सही है।

3. भारत द्वारा चाबहार बंदरगाह विकसित करने का क्या महत्त्व है?

(a) अफ्रीकी देशों से भारत के व्यापार में अपार वृद्धि होगी।

(b) तेल-उत्पादक अरब देशों से भारत के संबंध सुदृढ़ होंगे।

(c) अफगानिस्तान और मध्य एशिया में पहुँच के लिए भारत को पाकिस्तान पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

(d) पाकिस्तान, इराक और भारत के बीच गैस पाइपलाइन का संस्थापन सुकर बनाएगा और उसकी सुरक्षा करेगा।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: ईरान के तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत द्वारा विकसित करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि बिना पाकिस्तान के संपर्क के भारत के अफगानिस्तान एवं अन्य मध्य एशिया के देशों से द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध बनाए जा सकें।

2016

1. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

समाचारों में कभी-कभी उल्लिखित समुदाय		किसके मामले में
1. कुर्द	:	**बांग्लादेश**
2. मधेसी	:	**नेपाल**
3. रोहिंग्या	:	**म्यांमार**

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) 1 और 2 **(b) केवल 2**

(c) 2 और 3 **(d) केवल 3**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: कुर्द नृजातीय समुदाय के लोग तुर्की के दक्षिणी-पूर्व में, सीरिया के उत्तर-पूर्व में और ईरान तथा इराक के पश्चिमी इलाकों में रहते हैं। नेपाल के दक्षिणी भाग के मैदानी क्षेत्र को मधेस कहते हैं और

2013

1. निम्नलिखित में से कौन-सा/से मृदा में नाइट्रोजन को बढ़ाता है/बढ़ाते हैं?

1. जन्तुओं द्वारा यूरिया का उत्सर्जन
2. मनुष्यों द्वारा कोयले का जलाना
3. वनस्पति की मृत्यु

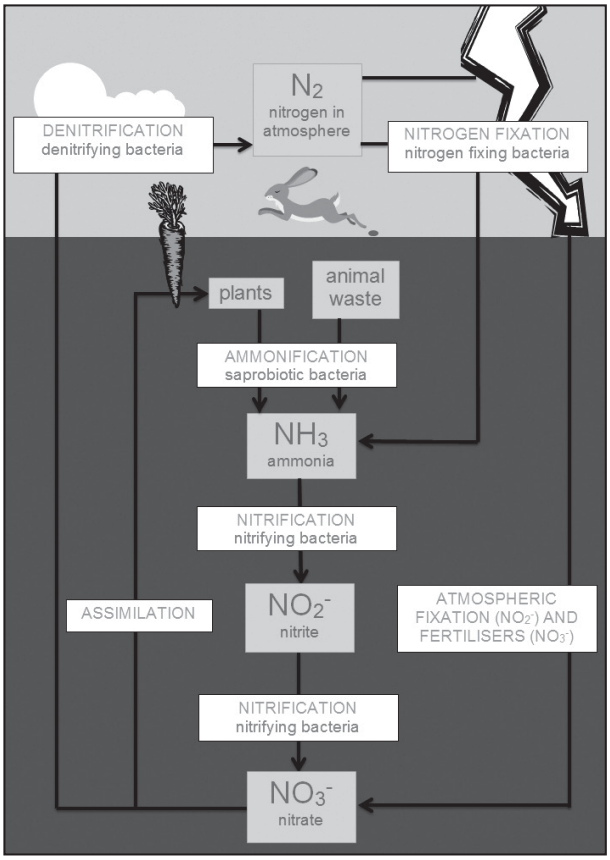
कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या:

- नाइट्रोजन चक्र के अंतर्गत मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा जंतुओं द्वारा यूरिया के उत्सर्जन तथा वनस्पति की मृत्यु से बढ़ती है।
- कोयले के जलने से वातावरण में नाइट्रोजन के ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। यह नाइट्रोजन सीधे मृदा में नहीं पहुँच पाता है।



2. निम्नलिखित जन्तुओं पर विचार कीजिये-

1. समुद्री गाय
2. समुद्री घोड़ा
3. समुद्री सिंह

उपरोक्त में से कौन-सा/से स्तनधारी है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 1 और 3**
(c) केवल 2 और 3 **(d) 1, 2 और 3**

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या:

- समुद्री गाय एक विलुप्त शाकाहारी समुद्री स्तनधारी जीव है। सारेनिया वर्ग का यह सबसे बड़ा जीव था। 18वीं सदी के उत्तरार्द्ध तक यह विलुप्त हो गया। इससे सबसे नज़दीकी रूप से जुड़ा जीवित जीव ड्यूगोंग (Dugong) है।
- समुद्री सिंह एक मांसाहारी समुद्री स्तनधारी जीव है।
- हिप्पोकेम्पस वंश (Hippocampus) के 54 मछलियों की प्रजातियों को समुद्री घोड़ा उपनाम से जाना जाता है।

3. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य समान अवसरों के आधार पर समाज के कमजोर वर्गों को नि:शुल्क एवं सक्षम विधिक सेवाएँ उपलब्ध कराना है।
2. यह देशभर में विधिक कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों को निर्देश जारी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**
(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1 और न ही 2**

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA - National Legal Service Authority) का गठन संविधान के अनुच्छेद 39A के तहत 'समान न्याय एवं नि:शुल्क विधिक सहायता' प्रदान करने के लिये 5 दिसंबर, 1995 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया। इसका उद्देश्य लोक अदालतों का आयोजन कर समाज के कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता प्रदान करना तथा मामलों का सौहार्द्रपूर्ण निपटारा करना है।

- इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली विधिक सहायता पूर्णत: नि:शुल्क होती है।
- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की नीतियों एवं निर्देशों को क्रियान्वित करने के लिये प्रत्येक राज्य में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है।

यू.पी.एस.सी. सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा

सीसैट

खंड 2

विषय	पृष्ठ संख्या
2017	238
2016	256
2015	275
2014	296
2013	314

सीसैट (सॉल्व्ड पेपर्स)

2017

निम्नलिखित 7 (सात) प्रश्नांशों के लिए निर्देश: *निम्नलिखित सात परिच्छेदों को पढ़िए और उनके नीचे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के लिए आपके उत्तर केवल इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।*

परिच्छेद-1

वायु गुणता सूचकांक [एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI)] बहुत से वायु प्रदूषकों की मापों को एकल संख्या अथवा अनुमतांक (रैटिंग) में जोड़कर दिखाने का एक तरीका है। आदर्श रूप में, इस सूचकांक को सतत रूप से अद्यतन (अपडेट) बनाए रखा जाता है और यह विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध रहता है। AQI सर्वाधिक उपयोगी तब होता है जब बहुत सारे प्रदूषण-आँकड़े एकत्रित किए जा रहे हों, और जब प्रदूषण के स्तर, हमेशा तो नहीं, लेकिन आमतौर पर निम्न रहते हों। इन दशाओं में, यदि प्रदूषण-स्तर कुछ दिनों के लिए अचानक बढ़ जाए, तो जनता वायु गुणता चेतावनी की प्रतिक्रिया में शीघ्रता से निरोधक कार्रवाई (जैसे कि घर के भीतर रहना) कर सकती है। दुर्भाग्य से, शहरी भारत की हालत ऐसी नहीं है। कई बड़े भारतीय शहरों में प्रदूषण-स्तर इतने अधिक होते हैं कि वे वर्ष के ज्यादातर दिनों में स्वास्थ्य के मानकों अथवा नियामक मानकों से ऊपर बने रहते हैं। यदि हमारा सूचकाक दिन पर दिन 'लाल/खतरनाक' दायरे में बना रहता है, तो किसी के लिए भी ज्यादा कुछ करने लायक नहीं रहता सिवाय इसके कि इनकी उपेक्षा करने की आदत बना लें।

1. उपर्युक्त परिच्छेद से, निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष (इन्फरेंस) निकाला जा सकता है?

(a) हमारे शहरों को प्रदूषण-मुक्त रखने के लिए हमारी सरकारें पर्याप्त रूप से जिम्मेवार नहीं हैं।

(b) हमारे देश में वायु गुणता सूचकांकों की बिल्कुल ही आवश्यकता नहीं है।

(c) हमारे बड़े शहरों के बहुत-से निवासियों के लिए वायु गुणता सूचकांक सहायक नहीं है।

(d) प्रत्येक शहर में, प्रदूषण-सम्बन्धी समास्याओं के बारे में जन-जागरूकता बढ़नी चाहिए।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: परिच्छेद में यह उल्लिखित है कि कई बड़े भारतीय शहरों में प्रदूषण का स्तर इतना अधिक हो गया है कि वह वर्ष में अधिकांश समय स्वास्थ्य और नियामक मानकों से उच्च रहता है। अत: अनेक भारतीय शहरों के निवासियों के लिये वायु गुणवत्ता सूचकांक उपयोगी नहीं होगा। उपरोक्त चार विकल्पों में से केवल (c) ही सबसे अधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष है।

परिच्छेद-2

उत्पादक नौकरियाँ (जॉब) विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और अच्छी नौकरी सर्वोत्तम प्रकार का समावेशन है। हमारी आधी से अधिक जनसंख्या कृषि पर आधारित है, परन्तु अन्य देशों के अनुभव से पता चलता है कि यदि कृषि में प्रति व्यक्ति आय पर्याप्त रूप में बढ़ानी है, तो कृषि पर निर्भर व्यक्तियों की संख्या में कमी लानी चाहिए। जहाँ एक ओर उद्योग में नौकरियाँ सृजित की जा रही हैं, वहीं असंगठित क्षेत्र में ऐसी बहुत सारी नौकरियाँ निम्न उत्पादकता वाली गैर-संविदागत नौकरियाँ होती हैं, जिनमें कम आय और न के बराबर सुरक्षा दी जाती है तथा कोई हितलाभ नहीं दिए जाते। इनकी तुलना में सेवा-क्षेत्र की नौकरियाँ उच्च उत्पादकता वाली होती हैं, परन्तु सेवाओं में रोजगार-वृद्धि हाल के वर्षों में धीमी रही है।

2. उपर्युक्त परिच्छेद से, निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष (इन्फरेंस) निकाला जा सकता है?

(a) रोजगार-वृद्धि और समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए हमें अत्यधिक उत्पादक सेवा-क्षेत्र की नौकरियों के तीव्रतर विकास की परिस्थितियों को उत्पन्न करना आवश्यक है।

(b) आर्थिक वृद्धि और समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए हमें खेतिहर कामगारों को अत्यधिक उत्पादक विनिर्माण और सेवा-क्षेत्रों में स्थानांतरित करना आवश्यक है।

(c) हमें कृषि की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ कृषि-क्षेत्र से बाहर उत्पादक नौकरियों के तीव्रतर विकास की परिस्थितियों को उत्पन्न करना आवश्यक हैं।

(d) कृषि में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि लाने के लिए हमें उच्च उपज वाली संकर किस्मों और आनुवंशिकत: रूपांतरित (जेनेटिकली मॉडिफाइड) फसलों की खेती पर बल देना आवश्यक है।

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: परिच्छेद में स्पष्ट रूप से यह उल्लिखित है कि विकास के लिये उत्पादक नौकरियाँ होना महत्त्वपूर्ण है। विकल्प (b) किसानों के स्थानांतरण के विषय में बताता है जो कि इस संदर्भ से बिल्कुल अलग है। विकल्प (d) भी असत्य है। विकल्प (c) में कहा गया है कि उत्पादक नौकरियों की तीव्र वृद्धि के लिये उपयुक्त परिस्थितियों का सृजन कृषि

2016

आगे आने वाले 8 (आठ) प्रश्नांशों के लिए निर्देश: *निम्नलिखित* ***आठ परिच्छेदों*** *को पढ़िये तथा प्रत्येक परिच्छेद के पश्चात् आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर परिच्छेदों पर आधारित ही होने चाहिए।*

परिच्छेद-1

पारदर्शिता और प्रतियोगिता को समाप्त करने से, क्रोनी-पूँजीवाद (क्रोनी-कैपिटलिज़्म) मुक्त उद्यम, अवसर और आर्थिक प्रगति के लिए हानिकारक है। क्रोनी-पूँजीवाद, जिसमें धनाढ्य और प्रभावशाली व्यक्तियों पर यह आरोप लगता है कि उन्होंने भ्रष्टाचारी राजनीतिज्ञों को घूस देकर जमीन और प्राकृतिक संसाधन तथा विभिन्न लाइसेन्स प्राप्त किए हैं, अब एक प्रमुख मुद्दा बन गया है जिससे निपटने की जरूरत है। भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की संवृद्धि के लिए एक बहुत बड़ा खतरा मध्य-आय-जाल (मिडिल इन्कम ट्रैप) है, जहाँ क्रोनी-पूँजीवाद अल्पतंत्रों (ऑलिगार्कीज़) को निर्मित करता है जो संवृद्धि को धीमा कर देते हैं।

1. उपर्युक्त परिच्छेद का *सर्वाधिक तार्किक उपनिगमन (कोरोलरी)* निम्नलिखित में से कौन-सा है?

(a) अपेक्षाकृत अधिक कल्याणकारी स्कीमों को आरंभ करने और चालू स्कीमों के लिए अपेक्षाकृत अधिक वित्त आबंटित करने की तत्काल आवश्यकता है

(b) आर्थिक विकास को अन्य माध्यमों से प्रोत्साहित करने एवं निर्धनों को लाइसेंस जारी करने का प्रयास किया जाना चाहिए

(c) वर्तमान में सरकार की कार्य-प्रणाली को और पारदर्शी तथा वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है

(d) हमें सेवा क्षेत्रक की जगह निर्माण क्षेत्रक का विकास करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: परिच्छेद के अनुसार, क्रोनी पूंजीवाद पारदर्शिता तथा प्रतिस्पर्द्धा को समाप्त कर रहा है तथा अल्पतंत्रों का सृजन कर रहा है जो कि आर्थिक प्रगति को मंद कर देते हैं। अत: लेखक धनाढ्यों के प्रभाव के बेहद खिलाफ है क्योंकि वे आर्थिक प्रगति को भी धीमा कर रहे हैं। (a) अप्रासंगिक है क्योंकि अधिक कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना पारदर्शिता का विकल्प नहीं हो सकता। (b) निकटस्थ है लेकिन आर्थिक संवृद्धि के लिये गरीबों को लाइसेंस देना स्वयं पारदर्शिता नहीं ला सकता। (d) वास्तव में अविवेकपूर्ण है क्योंकि परिच्छेद में विनिर्माण को प्राथमिकता देने संबंधी कोई विचार नहीं है। विकल्प (c) पूर्ण है क्योंकि यह पारदर्शिता के मुद्दे पर ध्यान देता है तथा अधिक समावेशन लाता है। अत: (c) सही विकल्प है।

परिच्छेद-2

जलवायु अनुकूलन अप्रभावी हो सकता है यदि दूसरे विकास संबंधी सरकारों के सन्दर्भ में नीतियों को अभिकल्पित नहीं किया जाता। उदाहरण के तौर पर, एक व्यापक रणनीति, जो जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में खाद्य सुरक्षा की अभिवृद्धि करने का प्रयास करती है, कृषि प्रसार, फसल विविधता, एकीकृत जल एवं पीड़क प्रबंधन और कृषि सूचना सेवाओं से सम्बन्धित समन्वित उपायों के एक समुच्चय को, सम्मिलित कर सकती है। इनमें से कुछ उपाय जलवायु परिवर्तन से और अन्य उपाय आर्थिक विकास से सम्बन्धित हो सकते हैं।

2. उपर्युक्त परिच्छेद से कौन-सा *सर्वाधिक तर्कसंगत और निर्णायक निष्कर्ष (इनफेरेंस)* निकाला जा सकता है?

(a) विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन जारी रखना कठिन है

(b) खाद्य सुरक्षा की अभिवृद्धि करना, जलवायु अनुकूलन की अपेक्षा कहीं अधिक जटिल विषय है

(c) प्रत्येक विकासात्मक क्रियाकलाप प्रत्यक्षत: या अप्रत्यक्षत: जलवायु अनुकूलन से जुड़ा है

(d) जलवायु अनुकूलन की दूसरे आर्थिक विकास विकल्पों के संबंध में परीक्षा की जानी चाहिए

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: निष्कर्ष का अर्थ है तार्किक विचार जो कि परिच्छेद में उल्लेखित नहीं है लेकिन जिसका ठीक-ठीक अनुमान लगाया जा सकता है। परिच्छेद सार्वजनिक नीति एवं जलवायु अनुकूलन के बीच सह-संबंध पर बल देता है। विकल्प (a) एवं (b) गलत हैं क्योंकि वे असामान्य हैं तथा दोनों में साधारण बातें साझा हैं। विकल्प (c) असत्य है क्योंकि हम इस बात का सामान्यीकरण नहीं कर सकते कि प्रत्येक प्रकार की विकासात्मक गतिविधि जलवायु अनुकूलन से जुड़ी हुई है। विकल्प (d) सही है क्योंकि इसमें स्वयं परिच्छेद की प्रथम कुछ पंक्तियों में उल्लेखित समान विचार व्यक्त हैं। अत: (d) सही विकल्प है।

परिच्छेद-3

जलीय चक्र में जैव-विविधता की भूमिका की समझ बेहतर नीति-निर्माण में सहायक होती है। जैव-विविधता शब्द अनेक किस्मों के पादपों, प्राणियों, सूक्ष्मजीवों को और उन पारितंत्रों को, जिसमें वे पाए जाते हैं, निर्दिष्ट करता है। जल और जैव-विविधता एक दूसरे पर निर्भर हैं। वास्तव में, जलीय चक्र से यह निश्चित होता है कि जैव-विविधता कैसे कार्य करती है। क्रम से, वनस्पति और मृदा जल के प्रवाह को निर्धारित करते हैं। हर एक गिलास जल जो हम पीते हैं, कम से कम उसका कोई अंश, मछलियों, वृक्षों, जीवाणुओं, मिट्टी और अन्य जीवों

2015

निम्नलिखित 7 (सात) प्रश्नांशों के लिये निर्देश: *निम्नलिखित* ***छह परिच्छेदों*** *को पढ़िये और उनके नीचे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर केवल इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिये।*

परिच्छेद-1

जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों की उपज में रुकावट और कीमतों में वृद्धि होने की वज़ह से, पूरे विश्व में बहुत सारे लोग पहले से ही भुखमरी का शिकार हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण केवल खाद्य ही नहीं बल्कि पोषक-तत्त्व भी अपर्याप्त होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे फसलों की उपज और जीविका पर खतरे की स्थिति बन रही है, सबसे गरीब समुदायों को ही, भुखमरी और कुपोषण के बढ़ने के समेत, जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से ग्रस्त होना पड़ेगा। दूसरी ओर, गरीबी जलवायु परिवर्तन की कारक है, क्योंकि निराशोन्मत्त समुदाय अपनी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये संसाधनों के अधारणीय (अनसस्टेनबल) उपयोग का आश्रय लेते हैं।

1. निम्नलिखित में से कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद का *सर्वाधिक तार्किक उपनिगमन (कोरोलरी)* है?

(a) सरकार को ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिये अधिक निधियों का आबंटन करना चाहिये और निर्धन समुदायों को दिये जाने वाले खाद्य उपदानों (सब्सिडीज़) में वृद्धि करनी चाहिये।

(b) निर्धनता तथा जलवायु के प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ावा देते हैं इसलिये हमें अपनी खाद्य प्रणालियों की पुनर्कल्पना करनी होगी।

(c) विश्व के सभी देशों को ग़रीबी और कुपोषण से लड़ने के लिये एकजुट होना ही चाहिये और गरीबी को एक सार्वभौम समस्या की भाँति देखना चाहिये।

(d) हमें तुरंत अधारणीय (अनसस्टेनबल) कृषि पद्धतियों को बंद कर देना चाहिये और खाद्य कीमतों को नियंत्रित करना चाहिये।

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: 'तार्किक उपनिगमन' का तात्पर्य है- एक-समान तार्किक अंतर्संबंध। अब, गद्यांश में इस बात का उल्लेख स्पष्ट रूप से किया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण लोग भुखमरी के शिकार होते हैं, साथ ही गरीबी भी जलवायु परिवर्तन का एक वाहक/कारक है। अत: (b) अधिक प्रासंगिक है। गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, कुपोषण और कृषि गतिविधियों का गद्यांश में कोई उल्लेख नहीं है। इस प्रकार, (b) ही सही विकल्प है।

परिच्छेद-2

विश्व वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (ग्लोबल फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट) ने पाया है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के कुल ऋण और ईक्विटी निवेशों में, किया गया पोर्टफोलियो निवेश का अंश पिछले दशक में दुगुना होकर 12 प्रतिशत हो गया है। इस घटना के भारतीय नीति निर्माताओं पर प्रभाव संभावित हैं क्योंकि ऋण तथा ईक्विटी बाज़ारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बढ़ता रहा है। इस घटना को एक आशंका भी बताया जा रहा है कि यूनाइटेड स्टेट्स फेडरल रिज़र्व की-"मात्रात्मक ढील (क्वांटिटेटिव ईजिंग)" नीति में आसन्न उत्क्रमण (इम्मिनेंट रिवर्सल) होने की दशा में, एक शृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में विश्व की वित्तीय स्थिरता खतरे में पड़ सकती है।

2. उपर्युक्त परिच्छेद से, निम्नलिखित में से कौन-सा *सर्वाधिक तर्कसंगत और निर्णायक अनुमान (इनफेरेंस)* निकाला जा सकता है?

(a) उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिये विदेशी पोर्टफोलियो निवेश अच्छे नहीं हैं।

(b) उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ विश्व की वित्तीय स्थिरता को खोखला करती हैं।

(c) भारत को भविष्य में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश स्वीकार करने से बचना चाहिये।

(d) उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से मिलने वाले आघात का खतरा रहता है।

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: "अनुमान" का तात्पर्य है- तार्किक निष्कर्ष अथवा एक ऐसा निष्कर्ष जो ज्ञात के आधार पर अज्ञात से प्राप्त किया जा सकता हो। अब, गद्यांश एक शृंखला अभिक्रिया की बात कर रहा है, जो तब उत्पन्न होती है जब यूएसए जैसी विकसित अर्थव्यवस्था अपनी 'क्वांटिटेटिव ईज़िंग' की नीति को पुन: लागू कर दे, यह विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में कमी करके भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकार, (d) ही सही विकल्प है।

परिच्छेद-3

खुले में मलत्याग अनर्थकारी हो सकता है, जब यह अति सघन आबादी वाले क्षेत्रों में व्यवहार में लाया जा रहा हो, जहाँ मानव मल को फसलों, कुँओं, खाद्य सामग्रियों और बच्चों के हाथों से दूर रखना असंभव होता है। भौम जल (ग्राउन्डवाटर) भी खुले में किये गए मलत्याग से संदूषित हो जाता है। आहार में गए अनेक रोगाणु और कृमियाँ बीमारियाँ फैलाते हैं। वे शरीर को कैलोरियों और पोषक-तत्त्वों का अवशोषण करने लायक नहीं रहने देते। भारत के लगभग आधे बच्चे कुपोषित बने रहते हैं। उनमें से लाखों, उन रोग दशाओं से मर जाते हैं जिनसे बचाव संभव

2014

निम्नलिखित 5 (पाँच) प्रश्नांशों के लिये निर्देश: *निम्नलिखित दो परिच्छेदों को पढ़िये और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिये।*

परिच्छेद-1

हाल के वर्षों में, भारत न केवल खुद अपने अतीत की तुलना में, बल्कि अन्य देशों की तुलना में भी, तेज़ी से विकसित हुआ है। किन्तु इसमें किसी आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं हो सकती, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये इससे भी अधिक तीव्र विकास करना और इस संवृद्धि के लाभों को, अब तक जितना किया गया है उससे कहीं अधिक व्यापक रूप से, अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाना सम्भव है। उन सूक्ष्म-संरचनात्मक परिवर्तनों के प्रकारों के ब्यौरों में जाने से पहले, जिनकी हमें संकल्पना करने और फिर उन्हें कार्यान्वित करने की ज़रूरत है, समावेशी संवृद्धि के विचार को विस्तार से देखना सार्थक होगा, जो कि इस सरकार की विभिन्न आर्थिक नीतियों और निर्णयों के पीछे एक निरूपक संकल्पना निर्मित करता है। समावेशी संवृद्धि में रुचि रखने वाला राष्ट्र इसी संवृद्धि को एक भिन्न रूप में देखता है जो इस पर आधारित है कि क्या संवृद्धि के लाभों का जनसंख्या के एक छोटे हिस्से पर ही अम्बार लगा दिया गया है या इनमें सभी लोगों की व्यापक रूप से साझेदारी है। अगर संवृद्धि के लाभों में व्यापक रूप से साझेदारी है तो यह खुशी की बात है, पर अगर संवृद्धि के लाभ एक हिस्से पर ही केंद्रित हैं, तो नहीं। दूसरे शब्दों में, संवृद्धि को अपने आप में एक साध्य की तरह नहीं देखा जाना चाहिये, बल्कि इसे सभी तक संपन्नता पहुँचाने के एक साधन के रूप में देखा जाना चाहिये। भारत के स्वयं के अतीत के अनुभव तथा दूसरे राष्ट्रों के अनुभव भी, यह सुझाते हैं कि संवृद्धि गरीबी के उन्मूलन के लिये आवश्यक तो है परन्तु यह एक पर्याप्त शर्त नहीं है। दूसरे शब्दों में, संवृद्धि को बढ़ाने की नीतियों को ऐसी और नीतियों से सम्पूरित किया जाना आवश्यक है जो यह सुनिश्चित करें कि अधिकाधिक लोग संवृद्धि की प्रक्रिया में शामिल हों, और यह भी, कि ऐसी क्रियाविधियाँ उपलब्ध हों जिनसे कुछ लाभ ऐसे लोगों में पुनर्वितरित किये जाएँ जो बाज़ार-प्रक्रिया में भागीदार होने में अक्षम हैं और इस कारण पीछे छूट जाते हैं।

समावेशी संवृद्धि के इस विचार को एक अधिक सुस्पष्ट रूप देने का एक सरल तरीका यह है कि किसी राष्ट्र की उन्नति को उसके सबसे गरीब हिस्से, उदाहरणार्थ, जनसंख्या के सबसे निचले 20% की उन्नति के आधार पर मापा जाए। जनसंख्या के इस सबसे निचले पाँचवें हिस्से की प्रति व्यक्ति आय को मापा जा सकता है और आय की वृद्धि-दर की गणना भी की जा सकती है; और सबसे गरीब हिस्से से सम्बन्धित इन मापकों के आधार पर हमारी आर्थिक सफलता का आकलन किया जा सकता है। यह दृष्टि आकर्षक है, क्योंकि यह संवृद्धि की उस तरह उपेक्षा नहीं करती जैसी कि कुछ पहले के परम्पराविरुद्ध मानदण्डों में की जाती थी। यह बस जनसंख्या के सबसे गरीब हिस्से की आय की वृद्धि को ही देखती है। यह इसे भी सुनिश्चित करती है कि ऐसे लोगों की भी उपेक्षा न हो जो इस निचले पाँचवें हिस्से से बाहर हैं। अगर ऐसा हो, तो पूरी सम्भावना है कि वे लोग भी इस निचले पाँचवें हिस्से में आ जाएँ और इस प्रकार अपने-आप ही हमारी इन नीतियों का सीधा लक्ष्य बन जाएँ। इस प्रकार यहाँ सुझाए गए मानदण्ड समावेशी संवृद्धि के विचार का सांख्यिकीय समाकलन हैं जो परिणामत: दो उपसिद्धांतों की ओर ले जाते हैं: यह इच्छा करना कि आवश्यक रूप से भारत ऊँची संवृद्धि प्राप्त करने का प्रयास करे और हम इसे सुनिश्चित करने के लिये कार्य करें कि संवृद्धि से सबसे गरीब हिस्से लाभान्वित हों।

1. इस परिच्छेद में, लेखक की दृष्टि का केन्द्र बिन्दु क्या है?

(a) भारत की, न केवल इसके खुद के पूर्व के निष्पादन की तुलना में बल्कि अन्य राष्ट्रों की तुलना में भी, आर्थिक संवृद्धि की प्रशंसा करना।

(b) आर्थिक संवृद्धि की आवश्यकता पर बल देना, जो देश की सम्पन्नता की एकमात्र निर्धारक है।

(c) उस समावेशी संवृद्धि पर बल देना, जिसमें जनसंख्या व्यापक रूप से संवृद्धि के लाभों में सहभागी होती है।

(d) उच्च संवृद्धि पर बल देना।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: प्रथम परिच्छेद में समावेशी संवृद्धि की चर्चा की गई है तथा इस संवृद्धि में जनता की व्यापक सहभागिता होनी चाहिये। इस प्रकार (c) ही सही विकल्प है।

2. इस परिच्छेद में, लेखक उन नीतियों का समर्थन करता है, जो

(a) आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाने में सहायक होंगी।

(b) आय के बेहतर वितरण में सहायक होंगी, चाहे वृद्धि दर कुछ भी हो।

(c) आर्थिक संवृद्धि बढ़ाने और आर्थिक उपलब्धियों को उनमें पुनर्वितरित करने में सहायक होंगी, जो पीछे छूट रहे हैं।

(d) समाज के सबसे गरीब हिस्सों के विकास पर बल देने में सहायक होंगी।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: प्रथम परिच्छेद के अंत में लेखक उन नीतियों का समर्थन करता है जो संवृद्धि में अधिक से अधिक लोगों को सहभागी बनाती हैं और जो पिछड़े हुए हैं उनमें लाभ का वितरण सुनिश्चित करती हैं। इस प्रकार (c) ही सही विकल्प है।

2013

निम्नलिखित 8 (आठ) प्रश्नांशों के लिये निर्देश: *निम्नलिखित चार परिच्छेदों को पढ़िये और उसके उपरांत प्रत्येक परिच्छेद के आधार पर दिये गए प्रश्नांशों के उत्तर दीजिये। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर केवल परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहियें।*

परिच्छेद-1

हाल के वर्षों में, लोकतंत्र के विषय को लेकर उसके आस-पास जिस प्रकार से शब्दाडंबर प्रयुक्त हुए हैं, उसके फलस्वरूप यह विषय अत्यंत संभ्रमपूर्ण हो गया है। गैर-पश्चिमी विश्व के देशों पर लोकतंत्र 'अधिरोपित' करने के समर्थकों (वस्तुत: इन देशों के 'स्वहित' में ही), और ऐसे 'अधिरोपण' के विरोधियों (उन देशों के 'अपने तौर-तरीकों' के लिये समादर होने के कारण) के बीच एक बढ़ता हुआ, विचित्र रूप से भ्रांत द्विभाजन बन गया है। किंतु, इन दोनों ही पक्षों के द्वारा प्रयुक्त 'अधिरोपण' की पूरी भाषा असाधारण रूप से असंगत है, क्योंकि इससे यह अस्पष्ट धारणा बनती है कि लोकतंत्र अनन्य रूप से पश्चिमी देशों से ही संबंध रखता है, यह मानते हुए, कि यह सर्वोत्कृष्टता से 'पश्चिमी' विचार है जो केवल पश्चिम में ही जन्मा और फला-फूला।

किंतु इस अभिधारणा को, और इससे विश्व में लोकतांत्रिक प्रथा की संभावना के बारे में जनित निराशावाद को, औचित्यपूर्ण ठहराना बहुत कठिन होगा। प्राचीन भारत में स्थानीय लोकतंत्र के अनेक प्रयोग किये गए हैं। सचमुच, विश्व में लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिये हमें विश्व के विभिन्न भागों में हुई जन-सहभागिता और लोक-विवेचन के इतिहास में रूचि लेनी होगी। यूरोपीय और अमेरिकी क्रमविकास के आधार पर हमें मात्र लोकतंत्र के विचारण के परे देखना होगा। यदि हम लोकतंत्र को पश्चिम का एक प्रकार का विशेषीकृत सांस्कृतिक उत्पाद मान लें, तो अरस्तू ने दूरगामी अंतर्दृष्टि के साथ सहभागी जीवन की जिन व्यापक मांगों के विषय में बात की थी, उन्हें समझने में हम असफल हो जाएंगे।

वास्तव में इस पर संदेह नहीं किया जा सकता कि लोकतंत्र की समकालीन प्रथा का सांस्थानिक ढाँचा अधिकांश रूप में यूरोप और अमेरिका के गत कुछ शताब्दियों में हुए अनुभवों की देन है। इसे पहचानना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सांस्थानिक प्रारूपों में ये विकास अत्यधिक नवपरिवर्तनशील और अंतत: प्रभावी हुए। इसमें कोई संशय नहीं हो सकता कि यहाँ एक प्रमुख 'पश्चिमी' उपलब्धि है।

1. उपर्युक्त परिच्छेद में यथा-उल्लिखित, निम्नलिखित में से कौन-सा, लोकतंत्र के दृष्टिकोण के सर्वाधिक निकट है?

(a) लोकतंत्र का विषय, इसे गैर-पश्चिमी देशों के लिये 'अन्यदेशीय', पश्चिमी अवधारणा के रूप में, चित्रित करने की इच्छा के कारण संभ्रमपूर्ण है।

(b) लोकतंत्र के अधिरोपण की भाषा अनुपयुक्त है। तथापि, इस अवधारणा पर गैर-पश्चिमी समाज के अपने तौर-तरीकों के सांस्कृतिक पृष्ठपट पर विचार करने की आवश्यकता है।

(c) यद्यपि लोकतंत्र अनन्य रूप से पश्चिम से जुड़ा, मूलत: पश्चिमी विचार नहीं है, फिर भी, प्रचलित लोकतांत्रिक प्रथाओं की संस्थागत संरचना उन्हीं का योगदान है।

(d) उपर्युक्त (a), (b) और (c) में से कोई भी कथन सही नहीं है।

सही उत्तर: **(c)**

व्याख्या: गद्यांश से यह स्पष्ट है कि लोकतंत्र का विचार पश्चिमी देशों की देन नहीं है। यद्यपि लोकतंत्र का संस्थागत ढाँचा अवश्य ही पश्चिम की देन है। इसलिये विकल्प (c) लोकतंत्र का निकटतम दृष्टिकोण है। अत: सही विकल्प (c) है।

2. परिच्छेद के संदर्भ में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. अनेक गैर-पश्चिमी देश लोकतंत्र लाने में असफल रहे हैं, क्योंकि वे लोकतंत्र को पश्चिम का विशिष्ट सांस्कृतिक उत्पाद होने के रूप में देखते हैं।

2. पश्चिमी देश हमेशा गैर-पश्चिमी देशों पर लोकतंत्र अधिरोपित करने का प्रयास करते हैं।

कौन-सी उपर्युक्त धारणा/धारणाएँ वैध है/हैं?

(a) केवल 1 **(b) केवल 2**

(c) 1 और 2 दोनों **(d) न तो 1 और न ही 2**

सही उत्तर: **(d)**

व्याख्या: पूर्वधारणा 1 परिच्छेद का सार नहीं है अत: यह वैध नहीं है। पूर्वधारणा 2 में शब्द 'हमेशा' दिया गया है जो कि पश्चिमी देशों के लिये सही नहीं है। इसलिये यह भी वैध नहीं है। अत: सही विकल्प (d) है।

परिच्छेद-2

निगमित अभिशासन कुछ सिद्धांतों पर आधारित होता है, जैसे कि, समस्त निष्ठा और निष्पक्षता से कारबार का संचालन करना, सभी संव्यवहारों में पारदर्शी होना, सभी आवश्यक प्रकटनों और निर्णयों को करना, देश के सभी कानूनों का अनुपालन करना, पणधारियों के प्रति जवाबदेह और जिम्मेदार होना तथा नैतिक रीति से कारोबार के संचालन की प्रतिबद्धता रखना। निगमित अभिशासन के विषय में जिस दूसरी बात पर विशेष बल दिया गया है, वह है, कंपनी का प्रबंधन करते समय नियंत्रण करने वालों द्वारा व्यक्तिगत एवं निगमित निधियों के बीच भेद करने की क्षमता।

हो जाता है। उसका विश्वास है कि चूँकि आप जिला मजिस्ट्रेट हैं आप कितनी भी मात्रा में चीनी जारी कर सकते हैं। आप उससे अपनी मित्रता नहीं बिगाड़ना चाहते। इन परिस्थितियों में, आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

(a) उसे अतिरिक्त मात्रा में चीनी जारी कर देंगे जिसके लिये आपके मित्र ने अनुरोध किया है।

(b) अपने मित्र को अतिरिक्त मात्रा में चीनी जारी न करके नियमों का सख्ती से पालन करेंगे।

(c) अपने मित्र को सरकारी आदेशों की प्रति दिखलाएंगे और उसे नियमानुसार चीनी की कम मात्रा स्वीकार करने के लिये तैयार करेंगे।

(d) उसे, आबंटन करने वाले अधिकारी को सीधे प्रार्थना-पत्र देने की सलाह देंगे और सूचित करेंगे कि आप ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते।

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: विकल्प (a) गलत है क्योंकि इससे सरकार के आदेश की अवहेलना होगी। विकल्प (c) प्रत्यक्षत: मुश्किल है। इससे आपकी प्रतिष्ठा में आँच आ सकती है। विकल्प (d) आपके मित्र को और भी नाराज करने वाला कदम है क्योंकि सभी मामले जिला मजिस्ट्रेट के प्राधिकरण में आते है। विकल्प (b) ही उपयुक्त विकल्प है।

79. आप एक ऐसे क्षेत्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू करने के प्रभारी हैं, जहाँ वर्तमान नीति का कड़ा विरोध हो रहा है। आप निवासियों को छोटे परिवार रखने की आवश्यकता मनवाना चाहते हैं। इस संदेश को संप्रेषित करने का सर्वोत्तम तरीका क्या होगा?

(a) निवासियों को स्वास्थ्य और जीवन स्तर सुधारने हेतु परिवार नियोजन की आवश्यकता तर्कसंगत रूप से समझाना।

(b) देर से विवाह एवं बच्चों के बीच उचित अंतर को प्रोत्साहित करना।

(c) परिवार नियोजन युक्तियाँ अपनाने के लिये प्रोत्साहन प्रदान करना।

(d) ऐसे लोगों से, जिनका बंध्यकरण हो चुका है अथवा जो गर्भनिरोधक प्रयोग कर रहे हैं, निवासियों से प्रत्यक्षत: बात करने का आग्रह करना।

सही उत्तर: **(a)**

व्याख्या: क्षेत्र में पहले से ही वर्तमान नीति का विरोध हो रहा है। इसलिये विकल्प (c) अप्रभावी रहेगा। अत: विकल्प (c) गलत है। विकल्प (b) भी उतना प्रभावी कारण स्पष्ट नहीं करता। विकल्प (a) सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि नागरिकों के लिये स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर प्राथमिक चीजे है। विकल्प (d) दूसरा सबसे अच्छा उत्तर है। अत: सही विकल्प (a) है।

80. आप एक विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं और एक विषय विशेष पर प्रश्न पत्र बना रहे हैं। आपके सहकर्मियों में से एक, जिसका पुत्र उसी विषय पर परीक्षा की तैयारी कर रहा है, आपके पास आता है और आपको सूचना देता है कि यह उसके पुत्र का परीक्षा को उत्तीर्ण करने का आखिरी अवसर है और आपसे, परीक्षा में आने वाले प्रश्नों के संकेत देकर, पुत्र की सहायता करने हेतु आग्रह करता है। अतीत में आपके उस सहकर्मी ने दूसरे मामले में आपकी सहायता की है। आपका सहकर्मी आपको सूचित करता है कि परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उसका पुत्र अवसाद से ग्रस्त हो जाएगा। इन परिस्थितियों में, आप क्या करेंगे?

(a) अतीत में उसके द्वारा दी गई सहायता को देखते हुए आप उसकी सहायता करेंगे।

(b) खेद व्यक्त करेंगे कि आप उसकी कोई सहायता नहीं कर सकते।

(c) अपने सहकर्मी को आप समझाएंगे कि ऐसा करने से विश्वविद्यालय के अधिकारियों का विश्वास भंग होगा और आप उसकी सहायता करने की स्थिति में नहीं है।

(d) उच्चाधिकारियों को अपने सहकर्मी के आचार की शिकायत करेंगे।

सही उत्तर: **(b)**

व्याख्या: इन परिस्थितियों में विकल्प (d) पूर्णत: गलत है। विकल्प (a) नैतिक रूप से सही नहीं है। इसलिये विकल्प (a) भी गलत है। विकल्प (c) अनावश्यक कारण प्रस्तुत करता है। अत: सर्वश्रेष्ठ विकल्प (b) है।